RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 शरवरी ने शुरू की वेदांग...

वर्ष : 27 | अंक : 289 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 07 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

'देश में नफ़रत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण'

राहुल और खड़गे ने यूपी के रायबरेली में दलित युवक की हत्या पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में दलित युवक की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। दलित युवक की हत्या को लेकर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने चिंता जताते हुए संयुक्त बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिल रहा है।

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक दलित व्यक्ति की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे देश के संविधान और सामाजिक समानता के मूल सिद्धांतों के खिलाफ गंभीर अपराध बताया। दोनों नेताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हमारे देश का संविधान हर व्यक्ति को समानता की दृष्टि से मान्यता देता है। कानून हर नागरिक की सुरक्षा, अधिकार और अभिव्यक्ति का समान दर्जा सुनिश्चित करता है। रायबरेली में जो हुआ वह संविधान के खिलाफ और दलित समुदाय पर हमला है। यह हमारी समाज और राष्ट्र पर कलंक है।

नेताओं ने देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ये अपराध समाज के हाशिए पर रहने वाले, कमजोर और प्रतिनिधित्व या भागीदारी से वंचित लोगों को बूरी तरह प्रभावित करते हैं।

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाल के घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि चाहे हाथरस और उन्नाव में महिलाओं के खिलाफ अपराध हो, या रायबरेली में हरिओम की हत्या, या पहले की घटनाएं जैसे रोहित वेमुला का इंस्टीट्यूशनल मर्डर, मध्य प्रदेश में आदिवासी युवक पर नेता का अपमान, ओडिशा और मध्य प्रदेश में दलितों की बर्बर पिटाई, या हरियाणा में पहलू खान और यूपी में अखलाक की हत्या- हर घटना समाज, प्रशासन और शासक शक्तियों की बढ़ती असंवेदनशीलता का आईना है।

दरअसल, 3 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं।

इस मामले में लापरवाही करने पर ऊंचाहार थाना अध्यक्ष संजय कुमार समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

'मैं आहत था...मैं कोई नशे में नहीं था, जूता फेंकने का अफसोस नहीं'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने वाले वकील राकेश किशोर ने कहा है कि वह सीजेआई की टिप्पणी से आहत हैं और उन्हें अपने किए पर कोई अफसोस या पछतावा नहीं है। वकील राकेश किशोर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब भी सनातन धर्म से जुड़े मामले आते हैं तो सुप्रीम कोर्ट ऐसे ही आदेश देता है। सीजेआई पर जूता उछालने की कोशिश के बाद आरोपी वकील राकेश किशोर को निलंबित कर दिया गया है।

वकील राकेश किशोर ने कहा 'मैं आहत था...मैं कोई नशे में नहीं था। ये उनकी कार्रवाई पर मेरी प्रतिक्रिया थी। न तो मैं डरा हुआ हूं और न ही मुझे अपने किए पर कोई अफसोस है। 16 सितंबर को मुख्य न्यायाधीश की अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। मुख्य न्यायाधीश ने इसका मजाक उड़ाते हुए कहा- जाओ और मूर्ति से प्रार्थना करो और उससे ही अपना सिर वापस लगाने (शेष पृष्ठ-4 पर)

संवैधानिक पद की गरिमा रखनी चाहिए

न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ अपनी कार्रवाई को लेकर निलंबित वकील ने कहा कि 'इतने उच्च संवैधानिक पद पर बैठने वाले सीजेआई को भी सोचना चाहिए। उन्हें 'माई लॉर्ड' शब्द के मतलब को समझना चाहिए और इसकी गरिमा को बनाए रखना चाहिए। आप मॉरीशस जाते हैं तो वहां कहते हैं कि देश बुलडोजर से नहीं चलेगा। मैं सीजेआई से पूछना चाहता हूं कि सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ योगी जी की कार्रवाई गलत है? मैं आहत हूं और आगे भी आहत ही रहूंगा।'

फ्रूटी के पेपर स्ट्रॉ बनाने वाली कंपनी में लगी आग

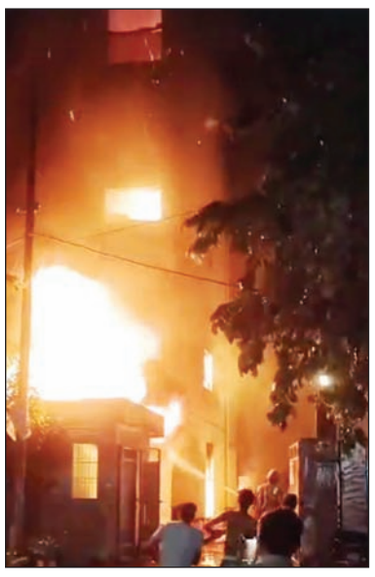

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में देर रात एक कंपनी में भयंकर आग लग गई। फायर बिग्रेड की 15 गाड़ियों ने बड़ी मशक्कत के बाद सुबह आग पर काबू पाया। आग की इस घटना में कंपनी में रखा लाखों रूपये का माल जलकर खाक हो गया है। कंपनी में फ्रूटी के पेपर से स्ट्रॉ बनाई जाती थी। कंपनी में करीब 3 बजे आग लगी। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

ग्रेटर नोएडा के थाना ईकोटेक-3 क्षेत्रान्तर्गत के उद्योग कैंट-2 में बीती रात्रि फ्रूटी के टेट्रा पैक के लिए पेपर से स्ट्रॉ बनाने वाली कम्पनी में आग लग गई। आग थोड़ी ही देर में कंपनी के तीन फ्लोर पर फैल गई। फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चीफ फायर ऑफिसर सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि आज सुबह करीब 3:00 बजे सूचना मिली कि उद्योग कैंट दो सी-124 स्थित एक कंपनी में आग लग गई है। आग लगने की सूचना मिलने पर (शेष पृष्ठ-4 पर)

पंचायत में दी जान से मारने की धमकी, हमला कर महिला के फाड़े कपड़े

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के लखनावली गांव में हुई पंचायत में तीन दबंग भाइयों ने एक महिला, उसके भाई व बेटी को जान से मारने की धमकी दी। तीनों भाइयों ने पंचायत के बाद महिला उसके भाई व बेटी के साथ मारपीट की और महिला को निर्वस्त्र करने के लिए उसके कपड़े फाड़ दिए। न्यायालय के निर्देश पर थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज किया गया है। ग्राम रायपुर बांगर निवास प्रियंका (काल्पनिक नाम) ने बताया कि 6 मई 2025 की शाम को लखनावली में आकाश उर्फ पप्पू ने बाली के घर पंचायत की थी। इस पंचायत में उसे भी बुलाया गया था। वह अपने भाई व बेटी (शेष पृष्ठ-4 पर)

ई-रिक्शा चालक ने बाइक सवार को किया लहूलुहान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बाइक में टक्कर मारने के बाद ई-रिक्शा चालक ने अपने साथियों के साथ मिलकर बाइक सवार के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान धारदार वस्तु से हमला कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित ने थाना फेस-3 में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम बहलोलपुर निवासी त्रिलोक कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 6 अक्टूबर के शाम को अपनी बाइक से गढ़ी गोल चक्कर की तरफ जा रहा था। पीछे से तेज गति में आ रहे ई-रिक्शा चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर गिर गया।उसने ई-रिक्शा चालक को देखकर चलने को कहा इस पर वह गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान वहां खड़े अन्य ई-रिक्शा चालक भी मौके पर आ गए और उन्होंने भी उसके साथ मारपीट की। मारपीट के बाद जब वह जाने लगा तो रास्ते में ई रिक्शा चालक व एक महिला ने उसके ऊपर डंडे व लोहे की वस्तु से हमला कर दिया। इस घटना में उसे काफी छोटे आई मारपीट के बाद (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्रोडक्शन मैनेजर पर कंपनी के कर्मियों ने बोला हमला

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-126 स्थित एडिको इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड आरएमसी प्लांट के प्रोडक्शन मैनेजर के साथ प्लांट के कर्मियों ने मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। प्रोडक्शन मैनेजर ने आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-126 में मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से मुजफ्फरपुर के रहने वाले विकास कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में सेक्टर-126 स्थित एडिको इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड आरएमसी प्लांट में प्रोडक्शन मैनेजर के पद पर कार्यरत है। 4 अक्टूबर की रात्रि को वह प्लांट पर मौजूद था। रात्रि में वह अपने केबिन में बैठकर खाना खा रहा था। इस दौरान प्लांट की लैब पर काम करने वाले गोपाल, सोहन, तोहिद व उनके अन्य साथी उसके केबिन में पहुंचे और गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित के मुताबिक काम को लेकर वह अक्सर इन लोगों को टोकता था जिससे (शेष पृष्ठ-4 पर)

डॉ. पॉल हत्याकांड में शामिल इनामी भीम जोरा मुठभेड़ में ढ़ेर

दिल्ली (एजेंसी)। गुरुग्राम और दिल्ली पुलिस ने ज्वाइंट ऑपरेशन में इनामी बदमाश को मुठभेड़ में मार गिराया है। मारे गए बदमाश पर दिल्ली के जंगपुरा में डॉक्टर पॉल हत्याकांड में शामिल होने का आरोप था। साथ ही गुरुग्राम में एक भाजपा नेता के घर चोरी की घटना में भी वह शामिल था।

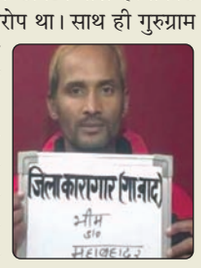

गुरुग्राम की सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच को इनपुट मिला था कि भीम महाबहादुर जोरा साउथ दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। क्राइम ब्रांच प्रभारी नरेंद्र अपनी टीम के साथ दिल्ली पुलिस की टीम को साथ लेकर बताए गए स्थान पर पहुंचे तो वहां पर भीम जोरा अपने एक अन्य साथी के साथ सीमेन्ट के बेंच पर बैठा था। पुलिस पार्टी को देखकर अपने पकडे जाने के डर से भीम जोरा ने जान से (शेष पृष्ठ-4 पर)

दुबई भेजी दवाइयां, कोरियर कंपनी ने लखनऊ में बेच दीं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कोरियर के माध्यम से दुबई के लिए भेजी गई लाखों रुपए की दवाइयां को कोरियर कर्मियों ने बेच दिया। कोरियर के लिए दिए गए पैसों को भी हड़प कर लिया गया। पीड़िता डेंटिस्ट ने कोरियर कंपनी सहित चार के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

ग्रेटर नोएडा में रहने वाली अफसा नसीम खान न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह डेंटिस्ट है। उसके दिल्ली के रोहिणी में दवाइयां की एक कंपनी है वह डेंटल कंपनियों से दवाई खरीद कर बेचने का कार्य करती है। उसने 1350000 एक कंपनी से दांतों की दवाइयां खरीदी थी इन दवाइयां को उसे दुबई में बशीर के यहां डिलीवरी भेजनी थी। दवाइयां की डिलीवरी के लिए वसीम नामक व्यक्ति ने उसे डिलीवरी कोरियर कंपनी का पता दिया था। वसीम के माध्यम से उसने उक्त कंपनी के द्वारा दवाइयां को दुबई के लिए कोरियर किया था। वसीम ने दवाई लेने के लिए मोहन नामक कर्मचारी को उसके ऑफिस पर भेजा था। कोरियर के लिए 63701 रुपए लेकर कंपनी कर्मचारियों ने उसे बाकायदा रसीद दी थी। दुबई में बताए गए पते पर दवाई न पहुंचने पर उसने कंपनी के मालिक वसीम से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि उन्होंने उसकी दवाइयां को विमलेश के माध्यम से दुबई भिजवाया गया है। दो दिनों में उसकी दवाइयां सही पते पर पहुंच जाएंगी। एक सप्ताह बीतने के बाद भी जब दवाइयां दुबई में बताई गई पते (शेष पृष्ठ-4 पर)

अंडे के पैसे मांगने पर मार दिया ब्लेड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा क्षेत्र के खटाना गांव में अंडे के पैसे मांगने पर गुस्साए युवकों ने दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी को ब्लेड मारकर घायल कर दिया। पीड़ित ने 2 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम धीरखेड़ा खटाना के रहने वाले अरुण कुमार ने बताया कि वह गांव में ही नवनीत की दुकान पर नौकरी करता है। 5 अक्टूबर की रात्रि को शनि पुत्र जयप्रकाश उसकी दुकान पर अंडे लेने के लिए आए उसने शनि से पहले पैसे देने को कहा इस पर वह नाराज होकर वहां से चला गया। रात्रि में जब वह दुकान बंद कर अपने घर जा रहा था तो रास्ते में खड़े सनी व सतवीर ने उसे रोक लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने जब विरोध किया तो सनी ने उसके पेट में ब्लेड मारकर उसे घायल कर दिया। लहू लुहान करने के बाद दोनों आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर थाना जारचा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नोएडा प्राधिकरण के एजीएम आशीष भाटी का निधन

वरिष्ठ भाजपा नेता हरिश्चंद के सुपुत्र थे आशीष

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सहायक महाप्रबंधक (सामान्य प्रशासन एवं संस्थागत) पद पर तैनात आशीष भाटी का आज रात करीब 3 बजे निधन हो गया। वे पिछले 2-3 दिनों से डेंगू से पीड़ित थे तथा अपोलो हॉस्पीटल में उनका इलाज चल रहा था। वे करीब 46 वर्ष के थे। आशीष भाटी भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री हरिश्चन्द भाटी के सुपुत्र थे।

आज सुबह सेक्टर-61 स्थित शिवालिक में जैसे ही उनका पार्थिव शरीर पहुंचा गमगीन लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। आशीष भाटी के असामायिक निधन से क्षेत्र, समाज, परिवार तथा नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारी व अधिकारियों में शोक की लहर व्याप्त हो गई।

सेक्टर-61 में शिवालिक स्थिति आवास से आज ग्रेटर नोएडा के कासना स्थित भाटी कृषि फार्म के लिए निकाली गई शव यात्रा के दौरान गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, नोएडा के विधायक पंकज सिंह, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम, डीजीएम विजय रावल , भाजपा के पूर्व अध्यक्ष योगेंद्र चौधरी, महेश अवाना, जुगराज चौहान, भाजपा के (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्राधिकरण ने शासन को भेजा संशोधित यूनीफाइड पॉलिसी का प्रारूप

नोएडा (चेतना मंच)।

नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में मंजूर यूनीफाइड पॉलिसी का संशोधित प्रारूप अब शासन के अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। अनुमोदन मिलते ही इसे तीनों प्राधिकरण में लागू कर दिया जाएगा।

तीनों प्राधिकरणके आवंटन, निरस्तीकरण, लीज डीड में एक रूपता लाने के लिए यूनीफाइड रेगुलेशन 2025 को लागू किया गया था। इस पॉलिसी में अब संसोधन किया जा रहा है। संसोधन से संबंधित पाइंट को बोर्ड में रखा गया। इस पर चर्चा की गई। मिनट्स तैयार कर शासन को मंजूरी के लिए भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा।

यूनीफाइड पॉलिसी के तहत औद्योगिक प्लाट आवंटन में उद्यमियों की डिमांड पर कुल 17 क्लॉज में बदलाव किया जा रहा है। इंटरव्यू बेस पर अलाटमेंट, स्क्रीनिंग कमेटी, ई-ऑक्शन प्रोसेस के अलावा संस्थागत में नर्सिंग होम और हॉस्पिटल, नेट वर्थ, लिक्यूडिटी, नॉन प्रोफिट मेकिंग कंपनी, आईटीआईटीईएस कंपनी के अलाटमेंट संबंधित भूखंड आवंटन में संसोधन किया जा रहा है। वहीं वाणिज्यिक होटल आवंटन मामले में एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया में एक्सपीरियंस, लीड मैंबर और कंसोरटियम इसके अलावा वाणिज्यिक में कुल तीन क्लाज में संसोधन किए जाने का प्रस्ताव है।

वहीं वाणिज्यिक में छोटे भूखंड 18 ये 300 वर्गमीटर योजना निकाली गई थी। जिसके बाद योजना में हिस्सा लेने वाले लोगों ने सुझाव दिए। इन्ही सुझावों के आधार पर 6 क्लॉज में संसोधन किया जा रहा है। इसके अलावा तकनीकी और वित्तीय अर्हाता में भी संसोधन किया जाएगा।

छात्रा के साथ छेड़छाड़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 में एक महिला ने अपनी बेटी के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि युवक उसकी बेटी को काफी दिनों से परेशान कर रहा है। हल्द्वानी मोड पर रहने वाली प्रिया (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पड़ोस में रहने वाला आसिफ पुत्र लियाकत उनकी बेटी को पिछले काफी दिनों से परेशान कर रहा है। उनकी बेटी ने इस बात की जानकारी उन्हें दी। जिस पर उन्होंने आसिफ को ऐसा करने से मना किया। इसके बावजूद भी आसिफ ने उनके बेटी को परेशान करना नहीं छोड़ा। प्रिया के मुताबिक 6 अक्टूबर को वह अपनी ड्यूटी पर कंपनी चली गई इस दौरान घर में उसकी बेटी अकेली थी शाम के समय जब वह वापस घर आई तो देखा कि आसिफ जबरन उसके कमरे में (शेष पृष्ठ-4 पर)

रूके गोल्फ कोर्स के निर्माण को अब फिर लगेंगे पंख!

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-151ए में करीब 3 वर्षों के बिलंब से चल रहे गोल्फ कोर्स के निर्माण को अब फिर पंख लगाने की तैयारी हो गई है। पूर्व में इसका निर्माण कर रही कंपनी को काली सूची में डालने के बाद अब बचे हुए निर्माण कार्य के लिए निविदा जारी की जाएगी।

बता दें कि सेक्टर-151ए में 113 एकड़ क्षेत्र में गोल्फ कोर्स का निर्माण शुरू हुआ था। प्राधिकरण ने बताया कि इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स के निर्माण के लिए 1 जुलाई 2021 को कंपनी कश्यपी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट किया गया। जिसका काम 30 जून 2022 तक पूरा होना था। कार्यस्थल पर कई बाधाओं के कारण समय-समय पर सक्षम स्तर से निर्माण कार्य पूरा करने के लिए टाइम एक्सटेंशन दिया गया। साथ ही 30 जून 2025 तक काम पूरा करने की नई डेड लाइन तय की गई।

इस डेट को भी निर्माण कार्य पूरा नहीं किया जा सका। यही नहीं इस बीच 18 नवंबर 2024 और 24 जून 2025 को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। संतोषजनक जवाब न मिलने पर एग्रीमेंट की शर्तो का उल्लघंन करने के एवज में जमा की गई धरोहर राशि को जमा किया गया और दो साल के लिए कंपनी को ब्लैक लिस्ट किया गया।

बता दें कि परियोजना जुलाई 2021 में शुरू की गई। इसका 68 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। 40 करोड़ का काम अभी बचा है। जिसे पूरा करने के लिए नई कंपनी को काम अवार्ड किया जाएगा। सिविल कार्य में करीब 80 करोड़, इंटीरियर से लेकर होर्टिकल्चर का काम होना है। योजना का कुल एरिया करीब 113.87 एकड़ है।

बेटियों की शिक्षा

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दर्शाते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रामजी के चरणों को हृदय से लगाकर भय और प्रेम सहित परम सुख का अनुभव करते हुए लक्ष्मणजी उनको दबा रहे हैं। प्रभु श्री रामचन्द्रजी ने बार-बार कहा- हे तात! (अब) सो जाओ। तब वे उन चरण कमलों को हृदय में धरकर लेटे रहे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0- उठे लखनु निसि बिगत सुनि अरुनसिखा धुनि कान।
गुर तें पहिलेहिं जगतपति जागे रामु सुजान॥

रात बीतने पर, मुर्गे का शब्द कानों से सुनकर लक्ष्मणजी उठे। जगत के स्वामी सुजान श्री रामचन्द्रजी भी गुरु से पहले ही जाग गए॥

सकल सौच करि जाइ नहाए। नित्य निबाहि मुनिहि सिर नाए॥
समय जानि गुर आयसु पाई। लेन प्रसून चले दोउ भाई॥

सब शौचक्रिया करके वे जाकर नहाए। फिर (संध्या-अग्निहोत्रादि) नित्यकर्म समाप्त करके उन्होंने मुनि को मस्तक नवाया। (पूजा का) समय जानकर, गुरु की आज्ञा पाकर दोनों भाई फूल लेने चले॥

भूप बागु बर देखेउ जाई। जहँ बसंत रितु रही लोभाई॥
लागे बिटप मनोहर नाना। बरन बरन बर बेलि बिताना॥

उन्होंने जाकर राजा का सुंदर बाग देखा, जहाँ वसंत ऋतु लुभाकर रह गई है। मन को लुभाने वाले अनेक वृक्ष लगे हैं। रंग-बिरंगी उत्तम लताओं के मंडप छाए हुए हैं॥ (क्रमशः..)

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह ।मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है।

कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं, जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं।

नि:सन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं। इसलिए, वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का मतलब समग्र वैश्विक वातावरण में सूझ-बूझ और सामंजस्यपूर्ण कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने और वैश्विक हितों को संतुलित और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने की क्षमता को कह सकते हैं। यह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत से प्रभावित है।

दरअसल, मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह नीति-संहिता, जिसमें भारत अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में पहले से काफी ज्यादा आक्रामक, आत्मनिर्भर और सक्रिय हो गया है। इस सिद्धांत के तहत भारत हर अंतरराष्ट्रीय मसले में भारत के हित को सर्वोपरि रखता है। भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। भारत मल्टी-अलाइनमेंट को प्रोत्साहित करता है, ताकि उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहे।

लिहाजा, मेक इन इंडिया और आर्थिक-तकनीकी आत्मनिर्भरता का भी इसमें खास महत्व है। मोदी डॉक्ट्रिन के अनुसार, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ डिफेंसिव नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपनाता है।

सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा के लिए सीमा-पार कार्रवाई करने से नहीं डरता। अब भारत आतंकवादियों के खिलाफ डोजियर भेजने की नीति को छोड़कर, सीधे सैन्य दबाव बनाता है।

भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। भारत की मजबूत स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर परोक्ष रूप से चीनी/अमेरिकी हाथ होने के बावजूद भारत ने उसके छक्के छुड़ा दिया और युद्धोंमत पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने टेकने व गिड़गिड़ाने को मज़बूर कर दिया।

भारतीय संस्कृति, सभ्यता और योग जैसे वैश्विक अभियान भी इसी नीति का हिस्सा हैं। मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है- निर्णायक, निर्भीक, आक्रामक, बहुपक्षीय, आत्मनिर्भर और भारत-हित केंद्रित नीति, जिससे भारत वैश्विक मंच पर ज्यादा शक्तिशाली स्थिति में पहुंचा है। मसलन, आधुनिक संकटों में चातुर्य काल की अवधारणा को लागू करने का मतलब है जीवन में अनुशासन, संयम, और सूझ-बूझ के साथ संकटों का सामना करना। चातुर्य काल में आत्मसंयम, भक्ति, सामाजिक नियमों का पालन, और मानसिक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, आधुनिक संकटों में- जैसे आर्थिक संकट, पर्यावरणीय समस्याएं, सामाजिक अस्थिरता या वैश्विक तनाव- इन गुणों का पालन करके स्थिरता और समाधान की दिशा में काम किया जा सकता है।

चातुर्य काल की तरह, जब हम सीमित संसाधनों में संयमित और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, अपने जीवन में नियम और संतुलन बनाए रखते हैं, तो कठिनाइयों का सामना करना आसान हो जाता है। जैसे पारंपरिक चातुर्मास में व्रत और तपस्या से मन की शांति और अनुशासन मिलता है, वैसे ही आधुनिक संकटों में धैर्य, समझदारी, और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि जब बाहरी परिस्थितियाँ अनिश्चित या कठिन हों, तब भी आंतरिक स्थिरता, नैतिकता, और सामाजिक जिम्मेदारी बनाए रखते हुए समाधान खोजने का प्रयास करना। आधुनिक दुनिया में यह वैश्विक कूटनीति, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक नीति, और सामाजिक सौहार्द जैसे क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है, जहां सरल जीवन और विवेकपूर्ण

कूटनीति से संकट प्रबंधन संभव होता है।

वाकई वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के बाबत भारत के प्रधानमंत्री मोदी सिद्धांत को इस अद्भुत चातुर्य काल का श्रेय देना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि समकालीन विश्व में चाहे अमेरिका हो, चीन हो, रूस हो, यूरोपीय संघ हो, या अरब देश हों, सभी भारत के युगांतरकारी गुटनिरपेक्ष कूटनीति की मुखापेक्षी बने हुए हैं। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी देश, लगभग सभी भारत की तरह संतुलित राह पर अग्रसर रहना चाह रहे हैं। भारत की बढ़ती प्रगति और मजबूत होते आर्थिक व सैन्य सामर्थ्य से उनकी परिवर्तित निष्ठा भी स्वाभाविक है।

चूंकि दुनिया के अधिकांश देश रूढ़िवादी/अनुदार देश हैं, इसलिए वो देश भारत की जनापेक्षी मौलिक नीतियों की नकल भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए इसको नख से सिख तक समझना हरेक भारतीय के लिए बहुत जरूरी है। सच कहूं तो शांतिपूर्ण विकास व सहअस्तित्व का सिद्धांत ही मोदी प्रशासन का एकमात्र ध्येय है। लेकिन इससे हथियार व गोली-बारूद निर्माता षड्यंत्रकारी पश्चिमी-पूर्वी देशों की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है।

कहना न होगा कि पश्चिमी देश भले ही लोकतंत्र व शांति की माला जपते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अशांति पैदा करने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के गुप्त संरक्षक भी यही हैं ताकि इनके हथियार व गोली बारूद का कारोबार चमकता रहे। इनके नशे और आपराधिक गोरखधंधे का तस्करी नेटवर्क खूब फल-फुले। इससे चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों की बिक्री भी खूब बढ़ती है। क्रिप्टो करेंसी व हवाला की आड़ में ये पूरी दुनिया को अस्थिर व असुरक्षित बनाये हुए हैं।

हालांकि, जब दुनिया के विभिन्न देशों की समझदारी बढ़ी व पूंजीवादी कब्जे तथा लाभ के एकसमान बंटवारे की बात उठी तो उनमें परस्पर होड़ मच गई। फिर इन्होंने क्षेत्र व धर्म के नाम पर इनकी पारस्परिक गोलबंदी बढ़ी। जहां एक ओर ईसाई व यहूदी देश एक हुए, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम देश भी परस्पर एक हुए। इससे तीसरी ओर भी जागरूकता बढ़ी और विश्व के हिन्दू-बौद्ध-सिख-जैन धर्म आदि धर्मों से प्रभावित देश भी एकजूट होने के लिए सोचने लगे और भारत-चीन जैसे सामर्थ्यवान देशों ने अपने अंतर्विरोधों को पाटने को सतर्क हो गए।

यदि पुरानी प्रतिद्वंद्विता की बात छोड़ भी दें तो मौजूदा दौर में जी-7, जी-20 बनाम ब्रिक्स व ग्लोबल साउथ के देशों में जो स्वहित साधन की होड़ मची हुई है, उसका ध्येय भी लगभग यही है। इसलिए कोई अमेरिकी छतरी तले जा रहा है तो कोई उसे उतारकर फेंक रहा है। कोई चीनी छतरी में जाने को बेताब है तो कोई इससे परहेज कर रहा है। इससे रूस व भारत की वैश्विक साख पुन: चमक उठी है। दुनियावी देश इनकी वस्तुनिष्ठ नीतियों पर फिदा हुए हैं।इससे परेशान अमेरिका-यूरोप के द्वारा जहां रूस के विरोधी यूक्रेन को भड़काकर रूस पर निरंतर हमलावर बना दिया गया है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान/बंगलादेश को अक्सर सहयोग देकर खड़ा कर दिया जाता है।

उधर, सम्भावित रूस, भारत, चीन गठजोड़ को कमजोर करने के लिहाज से तीसरे प्रमुख देश चीन के खिलाफ भी कभी ताइवान को भड़काया जाता है तो कभी तिब्बत के मसले की हवा दी जाती है। कभी चीन के शिनजियांग प्रान्त के मुस्लिम उत्पीड़न को उभारने की कोशिश की जाती है।चूंकि रूस-चीन-भारत के अंतर्विरोधों से दुनिया सशंकित रहती है, इसलिए क्षुद्र अमेरिकी कूटनीति प्राय: हर जगह सफल हो जाती है।

हालांकि, इसी प्रतिक्रियास्वरूप अमेरिका पूरी दुनिया में जहां-जहां भी खड़ा होने के लिए मेहनत करता है, वहां-वहां रूस-चीन-ईरान भी उसके पांव उखाड़ने में मशगूल लगते हैं। यदि वियतनाम, लीबिया, इराक युद्ध में अमेरिकी विफलता की बात अभी भुला भी दी जाए तो अफगानिस्तान से लेकर अरब व खाड़ी देशों तक में अमेरिकी पांव उखाड़ने में रूस-चीन सफल होते प्रतीत हो रहे हैं। नाटो की तर्ज पर इस्लामिक नाटो बनना इस नजरिए से एक बड़ा संकेत है। इसमें पाकिस्तान ने भी रूस-चीन का गुप्त साथ दिया है। जिससे अमेरिका यहां भी अलग-थलग पड़ गया है।

यद्यपि इजरायल को लेकर अमेरिका अरब और खाड़ी देशों में अपनी मौजूदगी रखता है, फिर भी यहां ईरान उसके खिलाफ है। चूंकि इजरायल तो अकेले सभी मुस्लिम देशों की नाक में दम कर रखा है, इससे शिया व सुन्नी देश में बंटे अरब व खाड़ी देश भी पारस्परिक बैरभाव भूलकर पश्चिमी नाटो की तर्ज पर इस्लामिक नाटो बना रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान जैसा दोगला मुल्क इस्लामिक संघ के साथ है, अमेरिका के साथ है या चीन के साथ, भरोसे के साथ कुछ भी कहा नहीं जा सकता। सुन्नी देश पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के साथ है, लेकिन ईरान के साथ रहेगा या नहीं, वही जाने।

इसी तरह से भारत और इजरायल में समझदारी भरी मित्रता है, क्योंकि दोनों के अस्तित्व को मुस्लिम एकजुटता से खतरा है। यह भारतीय कूटनीति का ही कमाल है कि इजरायल के दुश्मन ईरान से भी भारत की अच्छी समझदारी भरी मित्रता है। पहले अमेरिकी प्रभाववश ईरान से दूरी बनी थी, लेकिन रूस के साथ मिलकर उसे भी पाट दिया गया। भारत एक साथ अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, इटली, जापान, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरकोरिया, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील आदि को साधकर अपने विकास की ओर अग्रसर है। इससे अमेरिका के पेट में मरोड़ उठता रहता है, जबकि रूस भारतीय मित्रता भाव से संतुष्ट रहता है। यही भारत की ताकत भी है।

देखा जाए तो दुनियावी देशों की इन सब द्विपक्षीय कोशिशों का एक मात्र ध्येय यही है कि खुद को आर्थिक व सैन्य दृष्टि से निरंतर मजबूत कीजिए, और अपने हित साधन के लिए दूसरे देशों को परस्पर उलझते रहने दीजिए। जब भी मौका मिले तो निज स्वार्थ के खातिर लोकतंत्र, शांति व विकास की माला जपिए, लेकिन कहीं तानाशाहों को बढ़ावा दीजिए, तो कहीं चरणरज मूर्ख नेताओं को जनतांत्रिक गद्दी दिलवाइए, ताकि उनकी मदद की आड़ में वहां के प्राकृतिक संसाधनों को लूटा जा सके और अपना लाभदायक व्यापार उन पर थोपा जा सके।

हालांकि, पहले औद्योगिक क्रांति और फिर सूचना क्रांति ने दुनिया के सभी देशों को जगा दिया है। जैसे प्राचीन युग में भूमि-पशुधन संसाधनों पर काबिज होने के लिए युद्ध होते थे, उसी तरह से मध्य युग में धर्म के नाम पर धर्मयुद्ध होने लगे। इसी बीच औद्योगिक क्रांति होने से जब पूंजीवादी देश लोकतंत्र के नाम पर दूसरे देशों पर हावी होने लगे तो इन्हीं में से कुछ ने साम्यवाद और समाजवाद का स्वर बुलंद करके इन्हें काबू में रखने की कोशिशें की। रूस-चीन को इसका श्रेय जाता है।

इसी दौर में यानी 20वीं सदी में यूरोपीय देशों में दो दो विश्व-युद्ध हुए, जिसमें एशियाई उपनिवेशों को भी शामिल किया गया। सच कहूं तो भारत-चीन जैसे एशियाई देशों को आजाद करवाने में इन विश्व युद्धों की बड़ी भूमिका है, क्योंकि इससे इंग्लैंड कमजोर हुआ। बताते चलें कि प्रथम विश्व युद्ध मुख्य रूप से दो गठबंधनों के बीच लड़ा गया था-एक ओर मित्र राष्ट्र, जिनमें फ्रांस, ब्रिटेन, रूस, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका (बाद में शामिल) जैसे देश थे, और दूसरी ओर केंद्रीय शक्तियाँ, जिनमें जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, बुल्गारिया और ओटोमन साम्राज्य शामिल थे।

हालांकि रूस बाद में युद्ध से हट गया। जबकि इटली (1915 से) और संयुक्त राज्य अमेरिका (1917 से) प्रथम विश्व युद्ध में जुड़ गए थे। अन्य देश जैसे जापान, सर्बिया, ग्रीस और अन्य देश बाद में मित्र राष्ट्रों में शामिल हुए। वहीं, केंद्रीय शक्तियाँ में जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, ओटोमन साम्राज्य, बुल्गारिया शामिल थे। यह युद्ध एक वैश्विक संघर्ष था जिसकी शुरुआत सर्बिया और ऑस्ट्रिया-हंगरी के बीच एक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में हुई थी, लेकिन बाद में यह कई यूरोपीय साम्राज्यों के बीच फैल गया और इसमें 30 से अधिक देशों ने हिस्सा लिया।

वहीं, दो दशक बाद पुन: हुआ द्वितीय विश्व युद्ध मुख्य रूप से दो सैन्य गठबंधनों के बीच हुआ था-धुरी शक्तियाँ (जर्मनी, इटली और जापान) और मित्र राष्ट्र (मुख्यत: ब्रिटेन, फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ और चीन) के बीच। यह 1939 से 1945 तक चला, जो मानव इतिहास का सबसे बड़ा और रक्तरंजित संघर्ष था। इस बार धुरी शक्तियाँ में नाज़ी जर्मनी, फ़ासीवादी इटली, शाही जापान शामिल थे। जबकि मित्र राष्ट्र में ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ, फ्रांस, चीन। यह युद्ध दुनिया के लगभग सभी देशों को प्रभावित करने वाला एक वैश्विक संघर्ष था और इसके परिणामस्वरूप दुनिया के राजनीतिक शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव आया।

दोनों विश्व युद्ध इसलिए हुए कि पहले इंग्लैंड अपने हित के मद्देनजर दूसरे देशों को शत्रुतापूर्वक यूज एंड थ्रो करता था। कहा जाता था कि ग्रेट ब्रिटेन के राज्य में सूरज कभी अस्त नहीं होता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद चतुराई पूर्वक अमेरिका ने इंग्लैंड की जगह ले ली और इंग्लैंड को अपना सहयोगी बना लिया। फिर अमेरिका-यूरोप मिलकर यूएसएसआर यानी रूस आदि के संघ को चुनौती देने लगे।इस प्रकार इंग्लैंड, फ्रांस, इटली विरोधी जर्मनी की जगह अब रूस ने ले ली है। जबकि, जर्मनी की कारोबारी सहानुभूति अब भी रूस से ज्यादा है। वहीं, जर्मनी के सहयोगी रहे जापान की जगह अब चीन ने ले ली है।

अमेरिका और सोवियत संघ (रूस व उसके 14 अन्य पड़ोसी देशों का समूह) की दुश्मनी जगजाहिर है। यह क्रमश: पूंजीवादी व साम्यवादी सोच का टकराव है। जब यूएसएसआर को आपस में भिड़ाकर अमेरिका ने बर्बाद कर दिया तो उस समय वह चीन का निर्माण अपने सहयोगी के रूप में कर रहा था। ऐसा इसलिए कि रूस और भारत के गठजोड़ के सामने पाकिस्तान से बड़े देश चीन की जरूरत अमेरिका को थी। चूंकि चीन तब भारत और रूस दोनों से बैरभाव रखता था। इसलिए अमेरिका-चीन की दोस्ती जम गई। इससे चीन की खूब तरक्की हुई।

वहीं, चीन जब स्वावलंबी होकर मजबूत गया तो अमेरिका की नजरों में ही खटकने लगा। इससे क्षुब्ध चीन अब वैश्विक मंचों पर अमेरिका को ही चुनौती देने लगा। चतुराई पूर्वक चीन ने अमेरिका विरोधी रूस और उत्तर कोरिया को अपना बना लिया। चीन ने पाकिस्तान को अमेरिका से तोड़ लिया। अमेरिका विरोधी ईरान व अरब देशों से सांठगांठ किया।यूरोप व एशियाई देशों में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने लगा। इससे सोवियत संघ को तोड़ने वाले अमेरिका ने चीन को तोड़ने का मन बना लिया। इसके लिए वह ताइवान, तिब्बत व चिनझियांग अंतर्विरोधों को हवा देने लगा।

अमेरिका अब भारत को भी चीन व अरब देशों के खिलाफ भड़काने लगा। क्योंकि आतंकवादियों के जनक अमेरिका पर जब 9/11 आतंकी हमला हुआ तो उसे भारत की दोस्ती महसूस हुई। फिर चारा डालकर भारत को अपना लिया। उसने भारत को पूर्ण रूप से अपनाने के लिए रूस से दोस्ती तोड़वानी चाही। इजरायल-भारत की मित्रता करवाकर ईरान से भिड़ाने की चाल चली। लेकिन भारतीय नेताओं ने अमेरिका मित्रता को प्रगाढ़ बनाने में अतिशय सावधानी बरती। इससे अमेरिका, भारत से भी चिढ़ गया और चीन की तरह ही भारत को भी कमजोर करने का प्लान बनाने लगा।

हालांकि, इसी उतावलापन में अमेरिका ने अपनी अतीत की भूलों से सबक नहीं ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने जब पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया तो भारत की मजबूती का एहसास चीन-अमेरिका को हुआ। इससे अमेरिका भारत विरोधी बन गया। सख्त टैरिफ भारत पर थोप दिया।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आज वही करें जो आपको सही लगे। हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
अगर सुबह धीमी होगी तो पूरा दिन आराम रहेगा। चाय पीते-पीते कुछ समय गुजारिए। जल्दबाजी में काम ना करें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अगर आपको अनसुना किया जा रहा तो शांति से पीछे हट जाइए। थकान महसूस हो तो आराम करें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
पुरानी आदतों को दूर करें। तुरंत जवाब ना दें। कुछ अगर पुराना है तो जरूरी नहीं है कि वह सही ही हो।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आज आपको हर एक चीज करने की जरूरत नहीं है। दूसरों के लिए हमेशा मौजूद रहने से थकान हो चुकी है तो अब आराम करिए।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आज कुछ काम को ऐसे ही अधूरा छोड़ दीजिए। जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जरूरी नहीं है कि जिस चीज में आप मेहनत करें, वो आपको फल ही दें। कभी-कभी सब छोड़ देना ही आगे बढ़ने का तरीका होता है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आज आपको जो भी फील हो रहा है, वह सब सही है। दूसरों को हर चीज समझाने की जरूरत नहीं है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शांत रहिए। अपने पैटर्न पर एक बार ध्यान दें। खुद को बदलने की जल्दी मत करिए।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आज अपने विजन को एकदम पकड़कर रखिए। सब कुछ जबरजस्ती करने की जरूरत नहीं है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आज किसी की उम्मीद को शायद पूरा ना कर पाएं। ईमानदारी का साथ दीजिए। दिल से बोलिए।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आज मीन राशि वाले एक बार फिर से शुरुआत करने की हिम्मत रखें। जो बोझ आप उठाते चले आ रहे है

प्राधिकरण की जमीन पर भू-माफियाओं ने काट दी कॉलोनी

नोएडा (चेतना मंच)।

अब खाली पड़ी जमीन को बेचने की बना रहे रणनीति

नगला चरण दास गांव स्थित खसरा नंबर 112 जो ग्राम समाज की जमीन थी। उस पर भूमाफियाओं ने कब्जा कर अवैध रूप से कॉलोनी काट दी। बताया जाता है कि खसरा नंबर 112 में गांव के ही कुछ भूमाफिया नोएडा प्राधिकरण एवं स्थानीय पुलिस से मिलकर उस जमीन को बेच दिया। लेकिन नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपए मूल्य की जमीन को बंदर बांटकर बेचने वाले आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। जब मामले की जांच की जाएगी तो इसमें कई सफेदपोश भाजपा नेता भी फंस सकते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि इस पूरे मामले में भाजपा से संबंध रखने वाले कई नेता भी मालामाल हुए हैं और यही नेता नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के सांठ-गांठ कर इस जमीन को बेचने का काम कर रहे हैं। एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भू-माफियाओं पर कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं पार्टी के लोग सरकारी जमीन को बेचकर मालामाल हो रहे हैं। अभी भी बारात घर के पास कई बीघे जमीन खाली पड़ी हुई है। वह जमीन भी नोएडा प्राधिकरण की है और वहां पर नोएडा प्राधिकरण का बोर्ड लगा हुआ है, लेकिन यही सफेदपोश नेता उस जमीन को बेचने का ताना-बाना बुन रहे हैं।

कई बार जमीन की नपाई भी की जा चुकी है, जबकि जमीन का नोएडा प्राधिकरण के अलावा किसी से कोई वास्ता नहीं है। उसके बाद भी ये नेता मिलकर उसे जमीन का सौदा करने का कुचक्र रच रहे हैं। यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं हुई, तो अरबों रुपए की जमीन भी नोएडा प्राधिकरण के हाथों से निकल जाएगी। उसके बाद फिर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी जांच शुरू करेंगे।

अब देखना है कि खसरा नंबर-112 में बने मकानों को आधिकारिक ध्वस्त करते है या नहीं। यह आने वाला समय बताएगा।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः- DRM/C/AGRA/PARKING/E-AUCTION/2025 दिनांकः 06.10.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक-आगरा** के द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है, विवरण निम्न प्रकार है-

श्रेणीः पार्किंग	**केटलॉग संख्याः** PARKING-2025-06

एसेट्स डिटेल्सः मथुरा जं. रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वारा पर सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित साईकिल, स्कूटर, मोटर साईकिल एवं कार पार्किंग।

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समयः दि.- 22.10.2025, समय 11.30

ई-नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समयः दि.- 22.10.2025, समयः 12.00

नोटः उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट- www.ireps.gov.in E-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है।

1829/25 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

शारदा विश्वविद्यालय में एमबीबीएस छात्रों के लिए व्हाइट कोट सेरेमनी का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में नए सत्र में प्रवेश लेने वाले एमबीबीएस छात्रों के लिए व्हाइट कोट सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों को व्हाइट कोट पहनाकर शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय चांसलर पी.के. गुप्ता, प्रो-चांसलर वाई.के. गुप्ता, मुख्य अतिथि डॉ. अतुल गोयल (पूर्व डीजीएचएस, भारत सरकार), अतिथि डॉ. अशोक कुमार जरयाल (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान), विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर डॉ. परमानंद, शारदा हॉस्पिटल के मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ. रामामूर्ति शर्मा और स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च की डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता ने दीप जलाकर किया।

चांसलर पी.के. गुप्ता ने कहा कि व्हाइट कोट डॉक्टरों की पहचान है। उन्होंने छात्रों को यह संदेश दिया कि डॉक्टर बनना सिर्फ उनका सपना नहीं, बल्कि माता-पिता की उम्मीदों और प्रयासों का परिणाम भी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में नीट परीक्षा में टॉप करने वाले छात्रों ने प्रवेश लिया है और उनका लक्ष्य है कि छात्र अच्छे डॉक्टर के साथ-साथ अच्छे इंसान बनें। उन्होंने रिसर्च और नवाचार पर जोर देते हुए छात्रों को विश्वविद्यालय की सभी सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने की सलाह दी।

मुख्य अतिथि डॉ. अतुल गोयल ने कहा कि आधुनिक तकनीक और एआई की बढ़ती भूमिका के बावजूद पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने आयुर्वेद और होम्योपैथी जैसी प्राचीन पद्धतियों की महत्ता पर प्रकाश डाला और छात्रों को चिकित्सकीय कौशल और सहानुभूति विकसित करने की सलाह दी।

अतिथि डॉ. अशोक कुमार जरयाल ने व्हाइट कोट सेरेमनी को छात्रों के भविष्य की शुरुआत का प्रतीक बताया और उन्हें दयालु, ईमानदार और समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ. सुप्रिया गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. रचना रोहतगी, डॉ. अंकिता कक्कड़, डॉ. अदिति भटनागर, डॉ. किरणमई, डॉ. अमृता भारती आदि उपस्थित रहे।

नौकरी से निकाले जाने के खिलाफ सीटू ने शुरू किया धरना प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। गैरकानूनी तरीके से कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने के खिलाफ आज मैसर्स ए-12, सेक्टर-8, नोएडा कम्पनी पर सीटू के बैनर तले श्रमिकों ने धरना प्रदर्शन शुरू किया। धरना प्रदर्शन को सीटू नेता रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, राम स्वरथ ने संबोधित किया। जानकारी देते हुए सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि मैसर्स वाईआर क्राफ्ट्स ए-12, सेक्टर-8, नोएडा के प्रबंधकों ने गैरकानूनी तरीके से 15 श्रमिकों को 19 सितंबर 2025 को नौकरी से यह कहते हुए निकाला कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ की वजह से कंपनी में काम नहीं है। यह बहाना लगाकर कर्मचारियों को गैरकानूनी तरीके से नौकरी से हटा दिया गया। जिसकी शिकायत हमारी यूनियन द्वारा कंपनी प्रबंधकों और उपश्रमायुक्त गौतमबुद्धनगर से की गई, लेकिन प्रबंधकों ने न तो श्रमिकों को काम पर वापस लिया और न ही उनके कानूनी दायित्वों का भुगतान किया। धरना प्रदर्शन में श्रमिक महेश चंद, शिवनंदन यादव, विजय, जितेंद्र कुमार, किशन गुप्ता, शांति देवी, राजन, पंकज आदि मौजूद रहे।

पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

ज्ञानपुर (भदोही)। डीघ ब्लॉक के ग्राम गोपालापुर कलिंजरा में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण को बचाने के लिए एवं सुंदर युक्त पर्यावरण बनाने के लिए यह आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भगवान स्वरूप शुक्ल स्थाई अधिवक्ता भारत सरकार, डॉ. राकेश दूबे पूर्व प्रत्याशी ज्ञानपुर विधानसभा, दुर्गेश पांडेय वरिष्ठ समाज सेवी, शिवदीप पांडेय, रत्नाकर पाठक वरिष्ठ भाजपा नेता, संदीप तिवारी खंड कार्यवाह डीघ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, आनन्द कुमार शुक्ल राष्ट्रीय संयोजक पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति मंच,विमल पांडेय,सावन कुमार शुक्ल, मुकेश कुमार पांडेय के साथ ग्रामवासी उपस्थित रहें।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

FUTURE IS HERE

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर-201308 (उ.प्र.)
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइटः www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख /1065/2025 दिनांक : 25.09.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपसी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है। क्रय हेतु काश्तकार, गाटा संख्या, क्षेत्रफल व काश्तकार का हिस्सा निम्नलिखित तालिका में अंकित है।

ग्राम दस्तमपुर, सैक्टर-8

क्र. स.	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे0 में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
1.	71	303	2.3740	1/2 भाग	1.1870	देवदत्त उर्फ लालाराम पुत्र धन्ना उर्फ धनीराम निवासी ग्राम दस्तमपुर।
2.	252	268	1.0750	में से	0.0832	सत्यपाल सिंह पुत्र हुक्म सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
3.	29	29	1.5140	में से	0.1892	गुलाब सिंह पुत्र करन सिंह निवासी ग्राम मिल्क करीमाबाद।
4.	29	29	1.5140	में से	0.1893	रवि पुत्र करन सिंह निवासी ग्राम मिल्क करीमाबाद।
5.	252 169 197 251 252 225 252	268 157 168 271 158 190 274	1.0750 1.1700 0.8030 0.2530 1.3910 1.3970 0.7930	में से में से 1/3 भाग में से 1/12 भाग 1/15 भाग में से	0.0832 0.0456 0.2676 0.0106 0.1159 0.0931 0.0530 0.6690	वीरपाल सिंह पुत्र हुक्म सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
6.	151 151	114 106	0.1610 0.1350	1/3 भाग 1/3 भाग	0.0536 0.0450 0.0986	सुखवीर पुत्र सकटुआ निवासी ग्राम दस्तमपुर।
7.	151 151	114 106	0.1610 0.1350	1/3 भाग 1/3 भाग	0.0536 0.0450 0.0986	अतरी पुत्र सकटुआ निवासी ग्राम दस्तमपुर।
8.	229	270	0.8090	में से	0.1348	सन्तोष देवी पत्नी वीरपाल सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
9.	229	270	0.8090	में से	0.1349	शशि पत्नी सत्यपाल सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
10.	229	270	0.8090	में से	0.2020	बीना देवी पत्नी मनोहरलाल निवासी ग्राम दस्तमपुर।
11.	252 251 252	268 271 274	1.0750 0.2530 0.7930	में से में से में से	0.1109 0.0141 0.0706 0.1956	राजकुमार पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम दस्तमपुर।
12.	27	151	0.9080	1/4 भाग	0.2270	खेम सिंह पुत्र अशोक कुमार निवासी ग्राम दस्तमपुर।
13.	27	151	0.9080	में से	0.1265	मालती देवी पत्नी अशोक कुमार निवासी ग्राम दस्तमपुर।
14.	27	151	0.9080	1/4 भाग	0.2270	कुशलपाल पुत्र अशोक कुमार निवासी ग्राम दस्तमपुर।
15.	11 45	327 193	0.8730 1.5620	में से में से	0.0197 0.1355 0.1552	सुमित कुमार पुत्र यतेन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
16.	200	194	1.2810	1/3 भाग	0.4270	गनपत सिंह पुत्र कृष्ण कुमार निवासी दस्तमपुर।
17.	120	174	0.3990	में से	0.3199	मनोहरलाल पुत्र जेठुआ व बीना देवी पत्नी मनोहरलाल निवासी ग्राम दस्तमपुर।
18.	114	82	2.7420	में से	0.4924	मुन्नी देवी पत्नी भूप सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा।
19.	98	299/2	1.0900	1/3 भाग	0.3633	शिशुपाल उर्फ शिशु पुत्र श्री नरदेव निवासी ग्राम दस्तमपुर।
20.	98	299/2	1.0900	1/3 भाग	0.3634	प्रमोद उर्फ प्रमोद कुमार कौशिक पुत्र श्री नरदेव निवासी ग्राम दस्तमपुर।
21.	98	299/2	1.0900	1/3 भाग	0.3634	लौकेश उर्फ लौकेश कुमार पुत्र श्री नरदेव निवासी ग्राम दस्तमपुर।
22.	213	65	3.5520	में से	0.2793	श्रीमती संजना देवी पत्नी स्व0 श्री बनवारी सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
23.	50	14	1.4110	में से	0.1410	बोबी शर्मा पुत्र रामचन्दर शर्मा निवासी बल्लभगढ।
24.	160	92	0.3930	सम्पूर्ण	0.3930	रानी उर्फ बीना पत्नी मदनलाल निवासी ग्राम उटरावली तहसील जेवर।
25.	32	287	1.2680	में से	0.1073	माधव गर्ग पुत्र श्री संजय गर्ग निवासी चूडी वाली गली हाथरस, उ0प्र0।
26.	32	287	1.2680	में से	0.0716	श्रीमती ममता गर्ग पुत्री श्री संजय गर्ग निवासी चूडी वाली गली, हाथरस, उत्तर प्रदेश।
27.	23	6/8	0.2530	में से	0.1687	कामना पत्नी विनोद कुमार निवासी एच ब्लॉक हाउस नं0-83, लक्सर रेलवे कासिंग, शिव दुर्गा विहार, सूरजकुण्ड फरीदाबाद।
28.	83	13	1.5970	1/2 भाग	0.7985	इन्द्रा देवी पत्नी श्री हरस्वरूप शर्मा निवासी ग्राम कानपुर तहसील जेवर जिला गौतमबुद्धनगर।
29.	202	7	1.5800	1/6 भाग	0.2633	राजकुमार व संजय शर्मा व के0के0 शर्मा पुत्रगण लखपत निवासी ग्राम कानपुर परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
30.	93	200	0.7410	सम्पूर्ण	0.7410	पीतम कौर पत्नी ब्रहमपाल उर्फ ब्रहम सिंह निवासी ग्राम नीमका।
31.	30	281	0.6410	1/2 भाग	0.3205	धर्मा पुत्र सूरजपाल निवासी ग्राम दस्तमपुर।
32.	30	281	0.6410	1/2 भाग	0.3205	महेश सिंह पुत्र सूरजपाल निवासी ग्राम दस्तमपुर।
33.	149	1	2.1190	में से	0.4238	श्याम सुन्दर अग्रवाल पुत्र सीताराम अग्रवाल निवासी फ्लैट संख्या-5डी, प्रियंका अपार्टमेन्ट, गली/रोड/लेन एस.सी गोस्वामी रोड, क्षेत्र/मौहल्ला/सेक्टर पान बाजार गांव/कस्बा/शहर गुवाहाटी जिला कामरूप मेट्रो डाकघर, गुवाहाटी ग्राम पंचायत, राज्य असम पिनकोड-781001
34.	11	327	0.8730	में से	0.0843	मधु बंसल पत्नी मुकेश निवासी कविनगर गाजियाबाद।
35.	149	1	2.1190	में से	0.4238	ज्योति गुप्ता पत्नी अनिल कुमार गुप्ता निवासी फ्लैट संख्या-5डी, प्रियंका अपार्टमेन्ट, गली/रोड/लेन एस.सी गोस्वामी रोड, क्षेत्र/मौहल्ला/सेक्टर पान बाजार गांव/कस्बा/शहर गुवाहाटी जिला कामरूप मेट्रो डाकघर, गुवाहाटी ग्राम पंचायत, राज्य असम पिनकोड-781001
36.	149	1	2.1190	में से	0.4238	नम्रता अग्रवाल पत्नी दीपक अग्रवाल निवासी फ्लैट संख्या-5डी, प्रियंका अपार्टमेन्ट, गली/रोड/लेन एस.सी गोस्वामी रोड, क्षेत्र/मौहल्ला/सेक्टर पान बाजार गांव/कस्बा/शहर गुवाहाटी जिला कामरूप मेट्रो डाकघर, गुवाहाटी ग्राम पंचायत, राज्य असम पिनकोड-781001
37.	114	82	2.7420	में से	0.4216	श्रीमती शशी शर्मा राकेश निवासी विवेकानन्द गाजियाबाद।
38.	133 134 133	162 181 179	0.6130 0.1520 1.6070	1/6 भाग 1/12 भाग 1/6 भाग	0.1022 0.0127 0.2678 0.3827	देवराज सिंह पुत्र सोहन सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
39.	233 233	328 314	1.0620 0.1390	1/4 भाग में से	0.2655 0.0154 0.2809	सुभाषचन्द पुत्र कंछी सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
40.	233 233	328 314	1.0620 0.1390	1/4 भाग में से	0.2655 0.0154 0.2809	शिव कुमार पुत्र कंछी सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
41.	233 233	328 314	1.0620 0.1390	1/4 भाग में से	0.2655 0.0154 0.2809	सुरेश कुमार पुत्र कंछी सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
42.	233 233	328 314	1.0620 0.1390	1/4 भाग में से	0.2655 0.0154 0.2809	प्रेमवती पत्नी कंछी सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
43.	160 252 197 225 252 251 252	157 158 168 190 268 271 274	1.1700 1.3910 0.8030 1.3970 1.0750 0.2530 0.7930	में से 1/12 भाग 1/3 भाग 1/15 भाग में से में से में से	0.0456 0.1159 0.2676 0.0931 0.0832 0.0106 0.0530 0.6690	प्रेमपाल सिंह पुत्र हुक्म सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर।
44.	229	270	0.8090	में से	0.1348	बीना देवी पत्नी प्रेमपाल निवासी ग्राम दस्तमपुर।
45.	133 134	179 162 181	1.6070 0.6130 0.1520	1/6 भाग 1/6 भाग 1/12 भाग	0.2678 0.1022 0.0126 0.3826	मनका देवी पत्नी सोहनलाल निवासी ग्राम दस्तमपुर।
46.	27	151	0.9080	में से	0.1265	वन्दना कुमारी पत्नी राजू सिंह निवासी 2118 न्यू संजय कैम्प ओखला फेस-1, साउथ दिल्ली।
47.	90	12	1.0910	1/5 भाग	0.2182	चन्द्रमणि पुत्र मानकचन्द शर्मा निवासी ग्राम दस्तमपुर।
48.	90	12	1.0910	1/5 भाग	0.2182	मानकचन्द शर्मा पुत्र रघुवीर निवासी ग्राम दस्तमपुर।
49.	86	86	1.4630	1/2 भाग	0.7315	नवल किशोर शर्मा पुत्र पन्ना लाल शर्मा निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
50.	242	4/4	0.5450	में से	0.0730	यतेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र सोमदत्त निवासी ग्राम दस्तमपुर।
51.	242	4/4	0.5450	में से	0.0730	इन्द्रेश कुमार शर्मा पुत्र सोमदत्त शर्मा निवासी ग्राम दस्तमपुर हाल निवासी साहिबाबाद गाजियाबाद।
52.	242	4/4	0.5450	में से	0.0730	लूपेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र सोमदत्त निवासी ग्राम दस्तमपुर।
53.	20	36	1.4260	में से	0.1795	सतीश पुत्र राजाराम निवासी ग्राम दस्तमपुर।
54.	20	36	1.4260	में से	0.1795	सुरेन्द्र पुत्र राजाराम निवासी ग्राम दस्तमपुर।
55.	20	36	1.4260	में से	0.1795	दिनेश पुत्र राजाराम निवासी ग्राम दस्तमपुर।
56.	20	36	1.4260	में से	0.1795	यज्ञदत्त पुत्र राजाराम निवासी ग्राम दस्तमपुर।
57.	127	175	0.4710	में से	0.0843	श्रीमती मधुबाला पत्नी कर्मवीर निवासी ग्राम जवां तहसील खुर्जा जिला बुलन्दशहर।
58.	87	25/2	0.2890	सम्पूर्ण	0.2890	नानकचन्द पुत्र हरसूखा निवासी ग्राम दस्तमपुर परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
59.	33	6/9	0.2530	1/2 भाग	0.1265	मोहित सिंह पुत्र प्रेम सिंह निवासी एफ-284, हनुमान मन्दिर लाडो सराय साउथ दिल्ली।
60.	213	65	3.3520	में से	0.2530	दीपक गुप्ता पुत्र विश्वनाथ गुप्ता निवासी बी-3/275, पश्चिम विहार ज्वाला हेरी पश्चिम दिल्ली।
61.	11 45 44	327 193 149	0.8730 1.5620 1.9450	में से में से में से	0.0064 0.0461 0.0777 0.1302	मुकेश कुमार पुत्र ब्रजमोहन व श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी ब्रजमोहन निवासी ग्राम दस्तमपुर।
62.	74	95	0.6770	1/18 भाग	0.0376	छत्तर सिंह पुत्र सोरन निवासी ग्राम दस्तमपुर।
63.	11 45	327 193	0.8730 1.5620	में से में से	0.0062 0.0462 0.0524	अमन रावल व अरूण पुत्रगण ब्रजमोहन निवासी ग्राम दस्तमपुर।

ग्राम रन्हेरा, सैक्टर-8

क्र. स.	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे0 में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
1.	191	1039 1068	0.8610 0.5540	में से में से	0.2152 0.1385 0.3537	देवदत्त शर्मा पुत्र श्यामलाल शर्मा निवासी ग्राम रन्हेरा।
2.	191	1039 1068	0.8610 0.5540	में से में से	0.2153 0.1385 0.3538	प्रेमपाल शर्मा पुत्र श्यामलाल शर्मा निवासी ग्राम रन्हेरा।
3.	92	1029	1.3340	में से	0.1112	हर्षवर्धन सिंह पुत्र श्री कुंवर सिंह बहादुर सिंह निवासी डी-11, सेक्टर-47, नोएडा।
4.	92	1029	1.3340	में से	0.1111	अजय कुमार शर्मा पुत्र हरीशचन्द शर्मा सिंह निवासी डी-11, सेक्टर-47, नोएडा।
5.	294	993/1 1042 1043 1047	0.6060 0.3100 0.2310 0.1700	में से में से में से में से	0.1599 0.0978 0.0990 0.0536 0.4103	देवी सिंह पुत्र मातादीन निवासी बठा बाघा सिकंदरपुर गुडगांव।
6.	232 231	1101मि 1080	1.4459 0.9200	में से में से	0.0761 0.1534 0.2295	रेशम देवी पत्नी देवी सिंह निवासी बठा बाघा सिकंदरपुर गुडगांव।
7.	232	1101मि	1.4459	में से	0.0991	योगेन्द्र सिंह पुत्र होराम निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
8.	393 297	981 1057	1.2930 1.2690	में से में से	0.1114 0.1410 0.2524	ऋषिपाल सिंह पुत्र किरनपाल सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
9.	393 297	981 1057	1.2930 1.2690	में से में से	0.1115 0.1410 0.2524	रंजीत सिंह पुत्र किरनपाल सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
10.	164 135 135	993/2 992 991	2.2710 0.1010 0.1070	में से सम्पूर्ण सम्पूर्ण	0.8917 0.1010 0.1070 1.0997	जगदीश पुत्र करन सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
11.	231 232	1080 1101मि	0.9200 1.4459	में से में से	0.3066 0.1243 0.4309	पिन्टू सिंह पुत्र उम्मेद सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगरं
12.	256	1050	0.1070	में से	0.0214	देविन्द्र कुमार पुत्र देवराज सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
13.	256	1050	0.1070	में से	0.0214	सुभाष पुत्र देवराज सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
14.	256	1050	0.1070	में से	0.0214	डालचन्द पुत्र देवराज सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
15.	256	1050	0.1070	में से	0.0214	प्रेमपाल सिंह पुत्र देवराज सिंह निवासी ग्राम रन्हेरा परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।
16.	545	1040 1069 1073	0.6100 0.8360 1.3660	में से में से में से	0.2033 0.2787 0.4553 0.9373	सुरेशचन्द पुत्र रोशनलाल निवासी ग्राम रन्हेरा।

ग्राम मिल्क करीमाबाद, सेक्टर-8

क्र. स.	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे0 में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
1.	50	7क	0.3960	में से	0.0198	मयंक अग्रवाल पुत्र रवि बाबू अग्रवाल निवासी वासुदेव गंज आगरा रोड हाथरस।

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिन के अन्दर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग। कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

कश्मीरी पंडितों ने रेखा गुप्ता का जताया आभार

नोएडा (चेतना मंच)। जम्मू कश्मीर आंतरिक रूप से विस्थापित कल्याण समिति के अध्यक्ष सुशील हाशिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में विनोद कौल (महासचिव), विनोद सराफ (संयुक्त सचिव), दीपक हांडू (मीडिया सचिव) और कार्यकारी ओमेश गंजू भी शामिल थे।

इस बैठक में सुशील हाशिया और उनकी टीम ने मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और उनके कैबिनेट मंत्रियों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया। जिससे दिल्ली-एनसीआर विस्थापित कश्मीरी पंडित समुदाय के राहत धारकों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के साथ JKIDWS की टीम ने एकमुश्त माफी संबंधी कैबिनेट आदेश के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आश्वासन दिया कि आदेश का कार्यान्वयन जल्द ही बिना किसी और देरी के जमीनी स्तर पर किया जाएगा।

सुशील हाशिया ने वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक भाजपा ओपी बब्बर और केडीडी अध्यक्ष भाजपा जम्मू राजीव पंडिता और पूरे कश्मीरी पंडित समुदाय राहत धारकों को भी धन्यवाद दिया। जिन्होंने इतने लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद पिछले 18 महीनों से अधिक समय से जेकेआईडीडब्ल्यूएस को अपना उल्लेखनीय समर्थन दिया और इस तरह से अपना साहस और एकजुटता दिखाई।

इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा यूनिट हेड पी.के. सिंह का स्वागत

प्रयागराज (ब्यूरो)। कल इफको फूलपुर यूनिट में नवनियुक्त यूनिट हेड एवं महाप्रबंधक (फूलपुर) पी.के. सिंह का इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन, फूलपुर द्वारा एसोसिएशन कार्यालय में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

पी.के. सिंह ने अपने पहले कार्यदिवस पर एसोसिएशन के बुलावे पर एसोसिएशन कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से भेंट की। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं बुके प्रदान कर स्वागत किया तथा उनके नेतृत्व में यूनिट की प्रगति और सौहार्दपूर्ण कार्य वातावरण की शुभकामनाएं दीं।

अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी , महामंत्री स्वयम् प्रकाश के साथ डी के सिंह, गौतम कुमार, राजेश कुमार श्रीवास्तव, सी बी सिंह, बी पी सिंह, मनीष कुमार सिंह, संजय अवस्थी, विष्णु कांत तिवारी अपूर्व सक्सेना, पी सी मिश्रा एवं पीयूस मेहता उपस्थित रहे। सभी ने आशा व्यक्त की कि श्री सिंह के अनुभवी नेतृत्व में फूलपुर यूनिट नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

कार्यक्रम के अंत में पी.के. सिंह ने ऑफिसर्स एसोसिएशन के सहयोग और सौहार्दपूर्ण स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया तथा सभी को मिलजुलकर कार्य करने का आह्वान किया।

ग्रेनो प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने सिंगल यूज प्लास्टिक किया जब्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग रोकने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सेक्टर गामा 2 की मार्केट में अभियान चलाया। प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने के लिए पॉलीथिन / प्लास्टिक कंटेनर्स को जब्त भी कर लिया । दुकानदार और ग्राहकों को प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया गया। ज्यादातर दुकानदारों ने स्वेच्छा से अपनी दुकान से प्लास्टिक स्वास्थ्य विभाग की टीम को दे दिया। साथ ही भविष्य में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प भी लिया। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने ग्रेटर नोएडावासियों से सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने और ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ व सुंदर शहर बनाने में सहयोग करने की अपील की।

सड़कों के किनारे से 12 अवैध ठेली-पटरी जब्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सड़कों के किनारे अवैध रूप से लगने वाले खोखा, ठेली- पटरी पर प्राधिकरण की तरफ से कार्रवाई जारी है। प्राधिकरण के ओएसडी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि अर्बन सर्विसेज विभाग की तरफ से सोमवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौक से एक मूर्ति चौक तक अवैध रूप से लग रही ठेली-पटरी, झुग्गी व अस्थायी दुकानों को हटवाया गया। करीब 12 ठेली-पटरी को जब्त कर लिया गया है। वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में मैनेजर शुभांगी तिवारी, सहायक मैनेजर नरेश गुप्ता सहित अर्बन सर्विसेस विभाग की पूरी टीम शामिल रही। उन्होंने बताया कि सड़कों के किनारे अवैध ठेली-पटरी लगने से यातायात बाधित होता है। इसे ध्यान में रखते हुए सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सड़कों के किनारे ठेली-पटरी लगाकर यातायात को बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

पृष्ठ एक के शेष....

फ्रूटी के पेपर से...

तत्काल फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों को मौके के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे फायर कर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया। इस दौरान आग ने कंपनी के 3 फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता को देखते हुए मौके पर 13 और फायर टेंडर भेजे गए। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

सीएफओ प्रदीप ने बताया कि इस कंपनी में फ्रूटी के स्ट्रॉ बनते थे। स्ट्रॉ में प्रयुक्त होने वाले कागजों की वजह से आग ने जल्द ही भीषण रूप धारण कर लिया था। उन्होंने बताया कि कंपनी में आग संभवत: शार्ट सर्किट होने की वजह से लगी है। आग के कारणों की जांच पड़ताल की जा रही है। सूचना मिलने के बाद समय रहते की गई त्वरित कार्रवाई की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई है।

प्रोडक्शन मैनेजर पर...

वह उससे रंजिश मानते हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

वहीं थाना सेक्टर-142 में भी एक व्यक्ति ने अपने साथ मारपीट किए जाने का आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। न्यू अशोकनगर में रहने वाले विवेक पांडे ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 5 अक्टूबर को सेक्टर-144 में अपने साइट पर काम कर रहा था। इस दौरान अभय लोहिया सागर तथा एक अन्य व्यक्ति उसके पास आया और उसे काम करने से मना किया उसने जब इस बात का विरोध किया तो तीनों ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की और फरार हो गए।

पंचायत में दी जान...

के साथ पंचायत में गई थी। पंचायत में मौजूद आकाश उर्पु पप्पू, हरीश, पंकज पुत्र लखपत एवं गांव के कुछ अन्य लोग मौजूद थे। पंचायत में आकाश और पप्पू ने सभी लोगों के सामने उसे अश्लील गालियां दी। पंचायत में मौजूद गांव वालों ने जब गालियां देने का विरोध किया तो तीनों भाई उसे जान से मारने की धमकी देकर अपनी कार में बैठकर वहां से भाग गए।

प्रियंका के मुताबिक जब वह अपनी सेंट्रो कार से भाई व बेटी के साथ गांव से बाहर आ रही थी तो रास्ते में तीनों भाइयों ने उन्हें रोककर कार से जबरदस्ती उतार लिया और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और निर्वस्त्र करने के लिए उसके कपड़े फाड़ दिए। पीड़िता का आरोप है कि आकाश उर्फ पप्पू व हरीश ने उसके गले में पहनी सोने की चेन को देसी कट्टा दिखाकर लूट लिया और उसकी बेटी को जबरन गाड़ी में खींचने लगे। झगड़ा होता देखकर मौके पर लोग इकट्ठे हो गए। इसके बाद तीनों भाई उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पीड़िता के मुताबिक घटना की रिपोर्ट लिखाने थाना सूरजपुर गई तो उसकी कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। पीड़िता ने आशंका जताई है कि तीनों भाई भविष्य में भी उसके तथा परिवार के साथ कोई संगीत वारदात कर सकते हैं। न्यायालय ने सुनवाई के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं।

ई-रिक्शा चालक...

आरोपी मौके से फरार हो गए। वहीं थाना बादलपुर में एक व्यक्ति ने कुछ लोगों के खिलाफ मारपीट करने का आरोप में मामला दर्ज कराया है। दादरी के मेवाती मोहल्ला निवासी जीशान ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता तस्लीम एनटीपीसी रोड तिराहे के पास एक टेंपो के पीछे खड़े होकर लघु शंका कर रहे थे। इस दौरान भारत सैनी निवासी धूमखेड़ा बादलपुर, मोहित व उनके अन्य अज्ञात साथी ने तस्लीम के साथ मारपीट शुरू कर दी। लाठी डंडों से की गई मारपीट की वजह से उसके पिता तस्लीम को काफी चोटें आई हैं। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

नोएडा प्राधिकरण के...

नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, अमित त्यागी, एनईए अध्यक्ष चौ. राजकुमार समेत भाजपा एवं विभिन्न दलों के कई नेता, समाजसेवी तथा नोएडा प्राधिकरण के कई अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद थे।

दुबई भेजी दवाइयां...

पर नहीं पहुंची तो उन्होंने अपने स्तर पर पड़ताल की। उन्हें पता चला कि कंपनी के कर्मचारी वसीम, मोइन व विमलेश ने जालसाजी कर उनकी दवाइयां को लखनऊ में किसी व्यक्ति को बेच दिया है।

उन्होंने इस संबंध में जब कोरियर कंपनी से बात की तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया और कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि उन्होंने थाना बिसरख में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई न्यायालय ने सुनवाई के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए पीड़िता की शिकायत पर कोरियर कंपनी, कंपनी के कर्मचारी वसीम, मोईन व विमलेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

डॉ. पॉल हत्याकांड में...

मारने की नियत से पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी।

भीम जोरा दिल्ली में एक चोरी की वारदात के दौरान डॉक्टर की हत्या करने में वांछित था, दिल्ली पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये इनाम घोषित किया हुआ था। वहीं, गुरुग्राम के सिविल लाइंस क्षेत्र में भी चोरी के एक मामले में वांछित चल रहा था। 2 अक्तूबर को सेक्टर-49 हुई वारदात के बाद से ही गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच सेक्टर-43 की टीम आरोपी भीम जोरा की तलाश मे लगी थी।

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस और गुरुग्राम पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में एक बदमाश भीम जोरा को मुठभेड़ में मार गिराया। नेपाल निवासी भीम जोरा कई मामलों में वांछित था, जिसमें हाल ही में गुरुग्राम में एक भाजपा नेता के घर हुई चोरी की घटना भी शामिल है। इस मामले में उस पर 50,000 रुपये का इनाम था।

'मैं आहत था...

के लिए कहो। जब हमारे सनातन धर्म से जुड़ा कोई मामला आता है, तो सर्वोच्च न्यायालय ऐसे आदेश देता है। याचिकाकर्ता को राहत नहीं देनी मत दीजिए, लेकिन उसका मजाक भी न उड़ाएं।'

छात्रा के साथ...

घुसा हुआ था और उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। उन्हें देखकर आसिफ मौके से फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

फ्रांसीसी कार निर्माता कंपनी रेनॉल्ट कर रही लागत घटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांसीसी कार निर्माता कंपनी रेनॉल्ट कर्मचारियों के छंटनी पर विचार कर रही है। समाचार वेबसाइट के अनुसार कंपनी वैश्विक स्तर पर 3,000 तक पदों में कटौती कर सकती है। इस योजना से सहायक सेवाओं जैसे मानव संसधान, वित्त और मार्केटिंग में लगभग 15 प्रतिशत की कटौती होगी। शुक्रवार को एजेंसी फ्रांस प्रेस को दिए गए बयान में कंपनी ने कहा कि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और फिलहाल कोई निश्चित संख्या साझा नहीं की जा सकती। रेनॉल्ट ने यह भी कहा कि वह संचालन को सरल बनाने, कार्यान्वयन की गति बढ़ाने और निश्चित लागतों को अनुकूलित करने के तरीकों पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रेनॉल्ट मुख्य रूप से अमेरिकी बाजार में कार न बेचने के कारण अमेरिकी टैरिफ से बचा रहा है, लेकिन इसका असर अप्रत्यक्ष रूप से महसूस हुआ है। यूरोपीय प्रतिद्वंदियों पर अमेरिकी व्यापार बाधाओं के दबाव के कारण रेनॉल्ट के घरेलू क्षेत्र में बेचने की कोशिशें तेज हुई हैं, जिससे फ्रांसीसी कंपनी पर दबाव बढ़ा है। साथ ही, रेनॉल्ट को चीनी कंपनियों से भी कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, खासकर इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों में। जहां यूरोप में रेनॉल्ट अपनी कारों का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बेचता है और वहां विकास धीमा है। कंपनी के लिए उभरते बाजारों में विस्तार करना जरूरी हो गया है। इस दिशा में रेनॉल्ट ने पहले ही 2027 तक गैर-यूरोपीय बाजारों के लिए आठ नए मॉडल लॉन्च करने के लिए 3 अरब यूरो (लगभग 3.4 अरब डॉलर) निवेश करने की योजना की घोषणा की है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती का विकल्प खुला रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना खुली रखी है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने महंगाई के अपने पूर्वानुमान को भी घटा दिया है। बता दें कि केंद्रीय बैंक ने टैरिफ अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए 1 अक्तबूर को अपनी नीतिगत ब्याज दरों को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर अपवरिवर्तित रखने का फैसला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि एमपीसी ने स्वीकार किया कि अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। हालांकि, क्रिसिल ने कहा कि जीएसटी सुधारों से समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की जरूरत है। इस वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति अब चिंता का विषय नहीं रही और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती शुरू होने से आरबीआई के लिए दरों में कमी करने की संभावना बनी है। फरवरी 2025 से, आरबीआई नीतिगत दरों में 100 आधार अंकों की कटौती कर चुका है। जून में अपनी पिछली नीति समीक्षा में, उसने रेपो दर को 50 आधार अंकों की कटौती करके 5.5 प्रतिशत कर दिया था। सरकार ने केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे। एमपीसी की सिफारिश मुद्रास्फीति में कमी के बीच फरवरी और अप्रैल में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती की व जून में 50 आधार अंकों की कटौती की। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत से नीचे चल रही है। खाद्य कीमतों में कमी और अनुकूल आधार प्रभाव के कारण अगस्त में यह छह साल के निचले स्तर 2.07 प्रतिशत पर आ गई।

बैंकों में 1.84 लाख करोड़ रूपये की संपत्तियां अनक्लेम्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों और नियामकों के पास 1.84 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय संपत्ति बिना दावे के पड़ी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंन कहा कि अधिकरिरयों को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि ये सही मालिकों तक पहुंचें। सीतारमण ने गुजरात के गाधीनगर से तीन महीने लंबी आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई और बैंकों व वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सीतारमण ने कहा

कि उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे तीन ए, जागरूकता, पहुंच और कार्यवाही पर काम करें ताकि यह राशि सही हकदारों तक पहुंचे। पहला ए जागरूकता फैलाएं। उन्हें बताएं कि आपका पैसा वहां पड़ा है, इस दस्तावेज के साथ आएं और इसे ले जाएं। आप राजदूत बन सकते हैं और लोगों को बता सकते हैं कि क्या उन्होंने अभी तक अपनी जायज संपति का दावा नहीं किया है। बस उनसे कहें कि वे अपने दस्तावेज ढूंढें और पोर्टल पर पंजीकरण कराएं। मंत्री ने आगे कहा कि, आरबीआई के यूडीजीएएम पोर्टल या इस उद्देश्य के लिए बैंकों द्वारा बनाए गए स्टॉलों के माध्यम से, उन सही दावेदारों तक पहुंच प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि तीसरा ए एक्शन है, जहां आप (अधिकारी) जो कुछ भी आपके पास है। जैसे कागज के छोटे टुकड़े, उस पर कार्रवाई करते हैं।

यूडीजीएएम पोर्टल, दावा न की गई राशि ट्रांसफर हो सकती है

आरबीआई ने छ्ब्ररू पोर्टल बनाया है, जिसके जरिए लोग अपनी अनक्लेम्ड जमा राशि का पता लगा सकते हैं। सीतारमण ने अधिकारियों से लोगों में जागरूकता फैलाने और उन्हें पोर्टल या बैंक स्टाल के माध्यम से संपत्ति वापस लेने में मदद करने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने बताया कि अनक्लेम्ड राशि बैंक, आरबीआई या आईईपीएफ में सुरक्षित है और उचित दस्तावेज पेश करने पर इसे लिया जा सकता है। अगर संपत्ति लंबे समय तक दावा न की जाए तो यह एक संस्था से दूसरी संस्था में ट्रांसफर हो जाती है। सीतारमण ने गुजरात ग्रामीण बैंक की भी सराहना की, जिसने उन्हें आश्वासन दिया था कि उसके अधिकारी राज्य के प्रत्येक गांव में जाकर बैंक में पड़ी लावारिस जमा राशि के असली मालिकों की तलाश करेंगे।

6 करोड़ बच्चों को यूआईडीएआई का गिफ्ट, आधार में बायोमेट्रिक अपडेट अब एकदम फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बड़ा फैसला लिया है। उसने अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू-1) के लिए सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इस फैसले से लगभग 6 करोड़ बच्चों को फायदा होने की उम्मीद है। 1 अक्टूबर 2025 से यह छूट प्रभावी हो चुकी है। एक साल तक यह लागू रहेगी। यह कदम बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद करेगा।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने 1 अक्टूबर 2025 से अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इससे लगभग 6 करोड़ बच्चों को एक वर्ष की अवधि के लिए लाभ मिलेगा। उनके बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद मिलेगी। यह फैसला 5-17 आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए बायोमेट्रिक अपडेट को प्रभावी रूप से मुफ्त बनाता है। इससे स्कूल में प्रवेश, स्कॉलरशिप और डीबीटी योजनाओं जैसी सेवाओं का लाभ उठाना आसान हो जाएगा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस कदम से लगभग 6 करोड़ बच्चों को फायदा मिलने की उम्मीद है। यह छूट 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो चुकी है। यह छूट एक वर्ष की अवधि के लिए लागू रहेगी। यह कदम बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद करेगा। पहले, बायोमेट्रिक अपडेट के लिए शुल्क लिया जाता था। पहला और दूसरा एमबीयू अगर 5-7 और 15-17 वर्ष की आयु के बीच किया जाता था तो फ्री था।

क्या कहते हैं नियम

पांच साल से कम उम्र का बच्चा फोटो, नाम, जन्म तिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाण पत्र प्रदान करके आधार के लिए नामांकन करते हैं। अब जब भी इन बच्चों को अपना बायोमैट्रिक अपडेट कराना होगा तो एक भी रुपये की फीस नहीं लगेगी। बच्चे के पांच वर्ष की आयु तक पहुंचने पर पहला अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कराना होता है। यह अपडेट बच्चे के आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस और फोटो को शामिल करता है। इसी प्रकार बच्चे को 15 वर्ष की आयु तक पहुंचने पर एक बार फिर से बायोमेट्रिक्स अपडेट करने की आवश्यकता होती है। इसे दूसरा अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कहा जाता है।

एसआईपी के तीर से वित्तीय अनुशासनहीनता के 10 सिरों को हराएं

एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा निवेशक शिक्षा एवं जागरुकता पहल

मुंबई, एजेंसी।
नवरात्रि का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, और यह हमारे व्यक्तिगत संघर्षों - खासकर वित्तीय अनुशासन से जुड़ी जंग पर विचार करने का भी सही समय है। आपके पास इन सभी बुराईयों को हराने के लिए एक तीर होना चाहिए? एक साधारण मगर शक्तिशाली एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान)। निरंतरता और अनुशासन के साथ, आपका एसआईपी इन जंग को जीतने में मदद कर सकता है।

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

जैसे रावण कर हर सिर एक बुराई का प्रतीक था, वैसे ही नीचे दिए गए दस सिर सामान्य वित्तीय समस्याओं को दर्शाते हैं। आइए इन्हें पहचानें और इन्हें खत्म करें ताकि आपकी वित्तीय सेहत बेहतर हो।

1. **टालमटोल -मैं अगले महीने से निवेश शुरू करूंगा:** निवेश में देरी करना धन नष्ट करने का सबसे बड़ा कारण है। जितना देर करेंगे, उतना ही आप कंपाउंडिंग का लाभ खो देंगे। जल्दी शुरू करें, नियमित रहें, और म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी के जरिए नियमित निवेश करें ताकि कंपाउंडिंग और रुपये की लागत औसत का फायदा मिले।
2. **आपातकालीन फंड की कमी - जीवन की अनिश्चितताओं के लिए तैयार न होना:** अचानक होने वाली घटनाएं जैसे मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटना, प्राकृतिक आपदा–कभी भी आ सकती हैं। बिना इमरजेंसी फंड के आप वित्तीय और भावनात्मक तनाव में पड़ सकते हैं। आक्रामक निवेश से पहले एक सुरक्षा जाल बनाएं।
3. **आवेगपूर्ण खर्च ङ्क अनियोजित खरीदारी का दौर:** निवेश तोड़ना या तुरंत खुशी के लिए ज्यादा खर्च करना आपके वित्तीय लक्ष्यों को पटरी से उतार सकता है। जीवनशैली में सुधार ठीक है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। खर्च और अनुशासित निवेश में संतुलन बनाएं।
4. **बजट की कमी - आय और खर्चो की कोई स्पष्टता नहीं :** अगर आप अपनी आय और खर्चों का हिसाब नहीं रखते, तो बचत की योजना नहीं बना सकते। बजट बनाना वित्तीय अनुशासन की नींव है - यह आपको जरूरी चीजों, बचत और निवेश के लिए धन आवंटित करने में मदद करता है।
5. **कर्ज का जाल - क्रेडिट कार्ड बिलों का ढेर। :** अभी खरीदें, बाद में चुकाएं जल्दी ही कर्ज के जाल में बदल सकता है। क्रेडिट कार्ड के ब्याज आपके बचत को खा सकते हैं और निवेश में देरी कर सकते हैं।

कर्ज कम करें और उस धन को एसआईपी में डालें।

कंपनी के हाथ लगा 2 बड़ा वर्क ऑर्डर, ई-बस चार्जिंग स्टेशन का काम

मुंबई, एजेंसी। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दो बड़े वर्क ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने इसकी जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा की है। इन दोनों वर्क ऑर्डर की वैल्यू 1-1 करोड़ रुपये से अधिक की है। अब सोमवार को कंपनी के शेयरों पर नजर बनाए रखनी होगी। बता दें, हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ इसी साल अगस्त के महीने में आया था।

कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि उन्हें पीएम-ई बस सेवा के तहत देवास नाका डिपो पर ई-बस चार्जिंग स्टेशन बनाना है। इस वर्क ऑर्डर की कुल वैल्यू 1.08 करोड़ रुपये की है।

दूसरा वर्क ऑर्डर भी कंपनी को चार्जिंग स्टेशन के लिए ही मिला है। यह वर्क ऑर्डर भी पीएम-ई बस सेवा के अंतर्गत आता है। नायता मुंडला में कंपनी को 1.96 करोड़ रुपये का काम मिला है।

हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर 80.11 रुपये के लेवल पर थे। कंपनी के आईपीओ का 52 वीक हाई 134.89 रुपये है। वहीं, 52 वीक लो लेवल 78.50 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 574.55 करोड़ रुपये का है। बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ 5 अगस्त को खुला था। कंपनी का आईपीओ 7 अगस्त तक ओपन था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 65 रुपये से 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया था। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की लिस्टिंग बीएसई में 67.14 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 117 रुपये पर हुई थी।

बोनस शेयर की बरसातहोगी, चार कंपनियां ट्रेड करेंगी पूर्व-बोनस, डीटेल्स

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार में इस हफ्ते 4 कंपनियां एक्स-बोनस ट्रेड करेंगी। बोनस के लिहाज से देखें तो यह हफ्ता काफी व्यस्त रहने जा रहा है। आइए एक-एक करके सभी कंपनियों के विषय में जानते हैं। 10 रुपये से कम की कीमत वाले इस स्टॉक ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। पेनी स्टॉक की तरफ से सोमवार यानी 6 अक्टूबर की तारीख को एक्स-बोनस डेट घोषित किया गया है। यानी इस दिन कंपनी के शेयर एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे। बता दें, शुक्रवार को जूलियन एग्रो इंफ्राटेक लिमिटेड के शेयर 2.42 प्रतिशत की गिरावट के बाद 6.86 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 50 प्रतिशत से अधिक गिरा है। कंपनी 7 अक्टूबर को शेयर बाजारों में एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि 1 शेयर पर 3 शेयर योग्य निवेशकों को बोनस के तौर पर दिया जाएगा। शुक्रवार को मार्केट के क्लोजिंग के टाइम पर यह स्टॉक 319 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बता दें, 1 सा में कंपनी के शेयरों में 36 प्रतिशत की तेजी आई है। इस कंपनी ने भी निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा है कि 10 अक्टूबर को यह स्टॉक एक्स-बोनस ट्रेड करेगा। पिछले एक साल में 409 प्रतिशत का रिटर्न देने वाला यह स्टॉक शुक्रवार को बीएसई में 202.80 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। कंपनी अपने निवेशकों को 2 पर 1 शेयर बोनस के तौर पर बांटने का फैसला किया है। इस बोनस इश्यू के लिए 10 अक्टूबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन जिन निवेशकों के पास एक शेयर रहेगा उन्हें 2 शेयर बोनस के तौर पर मिलेंगे। इस कंपनी ने एक साल में 68 प्रतिशत का रिटर्न पोजीशनल निवेशकों को दिया है।

एलजी इंडिया ना लूट ले जाए आईपीओ की महफिल

जीएमपी अभी से दिखा रहा 228 का फायदा

मुंबई, एजेंसी।
इस हफ्ते दो बड़ी कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं। ये दो कंपनियां टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड हैं। एलजी इंडिया का आईपीओ 7 अक्टूबर से खुलेगा। यह आईपीओ ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रहा है। जिसकी वजह से बाजार में चर्चा शुरू हो गई है कि कहीं एलजी इंडिया ना लूट ले जाए इस हफ्ते की आईपीओ की महफिल।

एलजी इंडिया के आईपीओ का साइज क्या है?: इस मेनबोर्ड आईपीओ का साइज 11607.01 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 10.18 करोड़ शेयर जारी करेगी। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फार सेल पर आधारित है। यानी आईपीओ से जुटाए पैसे कंपनी को नहीं मिलेंगे। बता दें, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया कोई भी नया शेयर इश्यू के जरिए नहीं जारी कर रही है। इसी पूरे आईपीओ में यही एक चिंता की बात है।

क्या है एलजी इंडिया के आईपीओ का प्राइस बैंड: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 1080 रुपये से 1140 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 13 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम 14820 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। बता दें, कंपनी ने अपने कर्मचारियों को 108 रुपये की छूट दी है।

ग्रे मार्केट ने भरा उत्साह

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ ग्रे मार्केट में जिस तरह से प्रदर्शन कर रहा है। उससे निवेशकों में काफी उत्साह है। इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार एलजी इंडिया का आईपीओ आज रविवार को 228 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि 20 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। एलजी इंडिया का आईपीओ ग्रे मार्केट में इस समय सबसे मजबूत स्थिति में है। बता दें, इस मेनबोर्ड आईपीओ का सबसे कम जीएमपी 2 अक्टूबर को था। तब ग्रे मार्केट में आईपीओ 146 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था।

रफ्तार पकड़ रहा भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, 2030 तक 8 लाख करोड़ होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग उद्योग डिजाइन, इंजीनियरिंग और उत्पादन के क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहा है। अगले पांच वर्षों में इसके 20 से 25 प्रतिशत की वार्षिक औसत वृद्धि दर से बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक 7 से 8 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। केयरएज रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025 तक ईएसडीएम बाजार को स्मार्टफोन की बढ़ती मांग उद्योग के विकास को गति देगी।

ईएसडीएम में लागत सुधार से उद्योग को गति मिल रही: केयरएज रिसर्च की वरिष्ठ निदेशक तन्वी शाह कहती हैं कि वैश्विक निर्माताओं का भारत में अपना आधार स्थापित करना, सरकार का नीतिगत समर्थन, क्षेत्रिय विनिर्माण केंद्र और ईएसडीएम की लागत में सुधार की वजह से इस उद्योग को गति मिल रही है। वे कहती हैं कि ईएसडीएम उद्योग को गति प्रदान करने मुख्य कारण ये होंगे, पहला घरेलू बाजार में स्मार्टफोन की बढ़ती मांग, दूसरा सरकार का नीतिगत समर्थन और तीसरा देश की अगली युवा पीढ़ी, जो भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रही है।

स्मार्टफोन की बढ़ती मांग बदलेगी ईएसडीएम उद्योग की तस्वीर

रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन सेगमेंट लगभग दो लाख करोड़ रुपये का था और अगले 5 साल में इसके 23 से 25 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ने का अनुमान है। स्मार्टफोन की बदौलत भारत का ईएसडीएम बाजार 2030 तक दोगुना होकर 7 से 8 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह वृद्धि घरेलू बाजार में बढ़ती मांग, सरकारी नीतिगत समर्थन और बढ़ते निर्यात के साथ

नीतिगत प्रोत्साहन और टेक इनोवेशन से मिलेगी रफ्तार: रिपोर्ट के अनुसार भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चर्स इकोसिस्टम पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। केयरएज रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर प्रवीण परदेसी कहते हैं कि इसकी मुख्य वजह सरकार की प्रोत्साहन योजना (पीएलआई, एनपीई, डिजिटल इंडिया), वैश्विक आईएम आउटसोर्सिंग और स्किल वर्कफोस पर जोर देना रहा है।

वैश्विक और स्थानीय निर्माताओं की मजबूत भागीदारी की वजह से होगी। रिपोर्ट का मानना है कि किफायती स्मार्टफोन और कम लागत वाली डेटा योजनाओं ने इंटरनेट की पहुंच को सभी के लिए आसान बना दिया है। महानगरों के साथ ही टियर 2 और 3 शहरों में स्मार्टफोन और उससे जुड़े उपकरणों की अच्छी मांग है। रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन और ब्रॉडबैंड की बढ़ती पहुंच, डिजिल इंडिया और भारत नेट जैसी सरकारी पहल के साथ बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण और एसेंबली सेवाओं की जरूरतें इस उद्योग को और मजबूत कर रही है। भविष्य में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के बढ़ने की उम्मीद है, जिसमें टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर और डिशवॉशर जैसे उपकरणों पर हाल में हुई जीएसटी कटौती से बल मिलेगा। इन उपकरणों पर अब 18 प्रतिशत (पहले 28 प्रतिशत से कम) कर लगता है। इसकी तुलना में छोटे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स पर 12 प्रतिशत कर लगता है। इन कटौतियों से सामर्थ्य में सुधार, बिक्री में वृद्धि और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और रिटले क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

अगली पीढ़ी भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स के नेतृत्व की ओर बढ़ाएगी

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था वाइड डिजिटलीकरण में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है और व्यक्तिगत उपयोगकर्ता डिजिटल अपनाने के मामले में त्र-20 देशों में 12वें स्थान पर है। यह डिजिटल अर्थव्यवस्था संपूर्ण अर्थव्यवस्था की तुलना में दोगुनी तेजी से बढ़ रही है, जो 2029-30 तक राष्ट्रीय आय में लगभग पांचवां हिस्सा योगदान देगी। युवाओं द्वारा डिजिटल तकनीकों को अपनाने में वृद्धि की वजह से लगातार एडवांस डिवाइज और इलेक्ट्रॉनिक इफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ रही है। यह भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। एआई व इलेक्ट्रॉनिक उद्योग के जानकार एवं विशेषज्ञ राजीव कौस्तुब कहते हैं कि देश की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग योजना को 1.15 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव मिला है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए शानदार अवसर है। इससे छोटे और मध्यम आकार के उद्योग को लाभ होगा। साथ ही नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वे कहते हैं कि देश का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरा रहा है, जिसने देश को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक अग्रणी वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पिछले पांच वर्ष में 21 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि (सीएजीआर) दर्ज की गई है और यह वित्त वर्ष 2025 में 16.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इसे सरकारी योजनाओं, मजबूत घरेलू मांग और अनुकूल नीतिगत माहौल का समर्थन मिला है।

तिलोत्तमा का जन्म कैसे हुआ ?

स्वर्ग की अप्सराओं में तिलोत्तमा का नाम उनके अद्वितीय और अवर्णनीय सौंदर्य के लिए सबसे ऊपर लिया जाता है। उनका नाम ही उनके अद्भुत रूप की कहानी कहता है। शास्त्रों के अनुसार, ब्रह्माजी ने संसार के प्रत्येक कोने से 'तिल-तिल भर' सुंदरता को इकट्ठा कर उनकी रचना की थी, यही कारण है कि उनका नाम तिलोत्तमा पड़ा। कुछ कथाओं में तो यह भी कहा गया है कि उनका जन्म स्वयं ब्रह्माजी के हवन कुंड से हुआ था। तिलोत्तमा का जन्म एक विशेष लक्ष्य को पूरा करने के लिए हुआ था, जिसकी कथा दो अहंकारी असुर भाइयों से जुड़ी है।

दो असुर भाइयों का वध

हिरण्यकश्यप के वंश में निकुंभ नामक एक शक्तिशाली असुर था, जिसके दो पुत्र थे सुन्द और उपसुन्द। इन दोनों भाइयों में अगाध प्रेम था और उन्होंने विश्वविजय की इच्छा से विंध्याचल पर्वत पर घोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी प्रकट हुए। जब दोनों भाइयों ने अमरता का वरदान मांगा, तो ब्रह्माजी ने मना कर दिया। तब उन दोनों ने चतुराई से वरदान मांगा कि उन्हें त्रिलोक में कोई न मार सके, सिवाय एक-दूसरे के। उन्हें अपने आपसी प्रेम पर इतना भरोसा था कि उन्हें लगा कि वे कभी आपस में नहीं लड़ेंगे।

वरदान पाते ही सुन्द और उपसुन्द ने तीनों लोकों में अत्याचार करना शुरू कर दिया, जिससे पूरी सृष्टि त्रस्त हो गई। देवताओं और मनुष्यों को उनके अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए, ब्रह्मा जी ने विश्वकर्मा जी से एक ऐसी सुंदरी की रचना करने को कहा जो इन दोनों भाइयों के अहंकार और वरदान को समाप्त कर सके।

विश्वकर्मा जी ने तीनों लोकों की थोड़ी-थोड़ी सुंदरता लेकर तिलोत्तमा का निर्माण किया। जब तिलोत्तमा दोनों असुर भाइयों के सामने प्रकट हुईं, तो उनके अलौकिक सौंदर्य को देखते ही वे दोनों उस पर मोहित हो गए। उनका पुराना भाईचारा और प्रेम नष्ट हो गया, और वे तिलोत्तमा को पाने के लिए आपस में ही लड़ने लगे। अंततः, एक-दूसरे के हाथों मारे गए, और इस प्रकार तिलोत्तमा ने अपने जन्म का उद्देश्य पूरा किया।

शाप और दूसरा जन्म

देवताओं का कार्य पूरा करने वाली तिलोत्तमा को अपने रूप पर कुछ अभिमान हो गया था। इस सुंदरता के अभिमान के कारण ही उन्हें महर्षि अष्टावक्र और दुर्वासा ऋषि जैसे क्रोधित संतों से शाप भी मिला। दुर्वासा ऋषि के शाप के कारण, यही तिलोत्तमा बाद में असुर बाणासुर की पुत्री उषा के रूप में धरती पर जन्मीं। उषा ने भगवान कृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न से प्रेम किया और बाद में उनसे विवाह किया। इसके अलावा, तिलोत्तमा का उल्लेख सूर्य से भी जुड़ा है। पुराणों के अनुसार, वह माघ मास में अन्य सौर गणों के साथ सूर्य के रथ की मालकिन के रूप में भी रहती हैं।

संक्षेप में, तिलोत्तमा का जीवन सौंदर्य की शक्ति का प्रतीक है, जिसने एक ओर संसार को दुष्ट असुरों से मुक्ति दिलाई, वहीं दूसरी ओर स्वयं अपने रूप के अभिमान के कारण शाप भी पाया।

क्या आप सच में सीखना चाहते हैं तो पहले ये एक बात समझ लें...

श्वेतकेतु ऋषि आरुणि का पुत्र था। आरुणि ने उसे घर में ही प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार दिए। कुछ बड़ा होने पर उन्होंने श्वेतकेतु से कहा, ''कुल की परम्परा के अनुरूप गुरुकुल में रहकर साधना और धर्मशास्त्रों का अध्ययन करना।

गुरुकुल ही तुम्हारा उपनयन संस्कार होगा। गुरु की सेवा और सान्निध्य से ही तुम विभिन्न उपनिषदों और वेदों में पारंगत हो सकोगे।''

श्वेतकेतु पिता का आदेश मानकर गुरुकुल में जाकर गुरु की सेवा में लग गया। चौबीस वर्ष की आयु पूरी होने पर वह घर लौटा। उसे यह झूठा अभिमान हो गया कि वेदों का उससे बड़ा कोई दूसरा व्याख्याता नहीं है और वह शास्त्रार्थ में सभी को पराजित कर सकता है।

वह अपने को पिता से भी बड़ा विद्वान मानने लगा। पिता ने पुत्र के अभिमानी और उद्दंडी स्वभाव को सहज ही भांप लिया। वे जान गए कि इसका अमर्यादित स्वभाव और अहंकार इसके पतन का कारण बनेगा।

एक दिन पिता आरुणि ने एकांत पाकर पुत्र से धर्मशास्त्र व आत्मा संबंधी कुछ प्रश्न पूछे लेकिन वह किसी का भी उपयुक्त उत्तर नहीं दे पाया।

आरुणि ने कहा, ''पुत्र तुम्हारे गुरु महान पंडित व साधक हैं। लगता है अहंकारग्रस्त होने के कारण तुम उनसे कुछ प्राप्त नहीं कर पाए। गुरु से कुछ पाने के लिए विनयशील होना आवश्यक है।

अनजान और मासूम बनकर ही गुरु से कुछ सीखा जा सकता है।''

यह सुन कर श्वेतकेतु का अहंकार भी चूर-चूर हो गया। पिता आरुणि ने उसे शास्त्रों का दृष्टांत देकर अमरत्व का सार बताया।

रसोई के ये दो बर्तन कर सकते हैं आपका सबसे बड़ा नुकसान

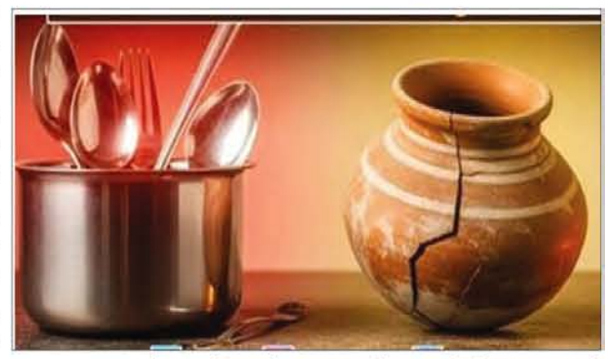

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष के अनुसार, घर की रसोई बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह अन्नपूर्णा और देवी लक्ष्मी का वास स्थान मानी जाती है। रसोई में रखी गई कुछ चीजें और उन्हें रखने का तरीका हमारे जीवन पर गहरा असर डालता है। खासकर दो ऐसे बर्तन हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि अगर उनके उपयोग और रखरखाव में सावधानी न बरती जाए तो राहु का दुष्प्रभाव बढ़ सकता है, जिसके कारण घर की बरकत रुक जाती है और मां लक्ष्मी दरवाजे से ही लौट जाती हैं।

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार, रसोई के दो बर्तन जिन्हें राहु ग्रह का प्रतिनिधि माना जाता है, वे हैं तवा और कढ़ाई। इन दोनों बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर दिन रोटी और अन्य खाद्य सामग्री पकाने के लिए होता है। ऐसा माना जाता है कि इन बर्तनों की साफ-सफाई और इन्हें रखने के तरीके का सीधा संबंध राहु के शुभ-अशुभ प्रभावों से होता है।

भूलकर भी न करें ये गलतियां

यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में सुख-शांति बनी रहे और आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े, तो तवा और कढ़ाई से जुड़ी इन गलतियों को करने से बचें:

तवा और कढ़ाई को उल्टा न रखें यह सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। तवा और कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि इन्हें उल्टा रखने से घर में राहु दोष बढ़ता है और नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसा करने से आर्थिक तंगी और परिवार के सदस्यों में मानसिक अशांति बढ़ सकती है।

रात को झूठे या गंदे न छोड़ें

रात का खाना पकाने के बाद तवा और कढ़ाई को हमेशा अच्छी तरह से साफ करके रखना चाहिए। कभी भी इन बर्तनों को रात भर गंदा या जूठा नहीं छोड़ना चाहिए। ऐसा करने से राहु का बुरा प्रभाव बढ़ता है, जिससे धन हानि और रोग होने की आशंका रहती है। खाना बनाने के बाद, तवे को हल्का गरम करके उस पर थोड़ा नमक छिड़कने से राहु-केतु का दुष्प्रभाव कम होता है।

इस्तेमाल के बाद गैस पर न छोड़ें भोजन पकाने का काम पूरा होने के बाद, तवा और कढ़ाई को गैस स्टोव के ऊपर नहीं छोड़ना चाहिए। काम खत्म होने के बाद इन्हें गैस से उतारकर सही जगह पर रखना चाहिए। गैस पर खाली बर्तन छोड़ना भी अशुभ माना जाता है।टूटे या चटके बर्तन का उपयोग न करें।

जन्म कुंडली के केंद्र में जब हो बृहस्पति ग्रह कैसे बनता है जीवन की ढाल

ज्योतिष शास्त्र में हर ग्रह का अपना महत्व बताया गया है, लेकिन जब बात आती है देवगुरु बृहस्पति की, तो यह ग्रह बाकी सभी ग्रहों के प्रभावों पर भारी पड़ जाता है।

खासकर जब बृहस्पति जन्म कुंडली के केंद्र में बैठा हो, तब यह जातक के जीवन में ढाल बनकर काम करता है। पुराने समय से लेकर आज तक ज्योतिष के कई ग्रंथ इस बात की पुष्टि करते हैं कि केंद्र में स्थित गुरु बृहस्पति जातक के जीवन से बुरे प्रभावों को खत्म कर देता है।

केंद्र स्थान और उनका महत्व

जन्म कुंडली में चार भावों को केंद्र कहा गया है – पहला (लग्न), चौथा, सातवां और दसवां। इन भावों को जीवन का स्तंभ माना जाता है। यह चारों स्थान जीवन की दिशा और पहचान तय करते हैं। जब इन भावों पर कोई शुभ ग्रह बैठता है, तो जातक को मजबूत जीवनदृष्टि और सफलता मिलती है, लेकिन अगर इन स्थानों पर अशुभ ग्रह हों, तो जीवन में कठिनायां बढ़ सकती हैं।

अब सवाल यह है कि जब इन चार भावों में से किसी एक में गुरु बृहस्पति बैठता है तो क्या असर होता है? ज्योतिष के अनुसार, इस स्थिति में बृहस्पति जातक के जीवन की ढाल बनकर सभी अशुभ ग्रहों को कमजोर कर देता है।

गुरु बृहस्पति की शक्ति

गुरु बृहस्पति को ज्ञान, धर्म, नीति और सद्बुद्धि का प्रतीक माना गया है। यह ग्रह जिस भाव में बैठता है, उस भाव को पवित्र और मजबूत बना देता है। जब यह केंद्र में हो, तो जातक को सही-गलत की पहचान, निर्णय लेने की क्षमता और धार्मिक दृष्टिकोण मिलता है। इसका सीधा असर यह होता है कि व्यक्ति मुश्किल समय में भी गलत रास्ता नहीं चुनता और जीवन में उन्नति की ओर बढ़ता है।

दोष क्यों हो जाते हैं निष्फल?

कहा जाता है कि केंद्र में बैठा गुरु किसी भी कुयोग को खत्म कर देता है। इसका कारण है –

1. ज्ञान और धर्म से जुड़ाव: यह व्यक्ति को भ्रम और मोह से बचाता है।

2. गुरु की दृष्टि: इसकी दृष्टि जिन भावों पर पड़ती है, उन्हें शुद्ध और शक्तिशाली बना देती

3. नैतिक शक्ति: जातक को सच और न्याय के रास्ते पर चलने की ताकत मिलती है।

लेकिन हर स्थिति समान नहीं होती

हालांकि यह भी सच है कि केवल एक ग्रह से पूरी कुंडली का परिणाम तय नहीं किया जा सकता, अगर बृहस्पति नीच राशि में हो, शत्रु भाव में हो, या फिर शनि, राहु, केतु और मंगल जैसे ग्रहों से पीड़ित हो, तो इसकी शक्ति कम हो सकती है। ऐसे में केंद्र में होने के बावजूद इसका प्रभाव उतना प्रबल नहीं रहेगा। इसलिए वास्तविक फल जानने के लिए पूरी कुंडली का अध्ययन जरूरी होता है।

करवाचौथ व्रत में पूजा की थाली में जरूर रखें ये भोग और सामान, वरना पूजा रहेगी अधूरी

करवाचौथ व्रत का इंतजार एक सुहागिन महिला सालभर करती हैं। इस दिन दिनभर व्रत का पालन करने के बाद, शाम को विधि-विधान से चांद की पूजा करती हैं। इससे पहले पूजा की थाली और व्रत कथा भी जाती है। साथ ही पूजा की थाली भी तैयार की जाती है।

इस व्रत में पूजा की थाली का विशेष महत्व होता है, क्योंकि यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से पहले सरगी लेकर व्रत शुरू करती हैं, और रात को चंद्र दर्शन के बाद व्रत खोलती हैं। पूजा थाली में रखे जाने वाले सामान और भोग की अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यता होती है।

करवाचौथ पूजा थाली में क्या-क्या होना चाहिए?

करवाचौथ की पूजा थाली को सुंदरता और श्रद्धा से सजाया जाता है। इसमें निम्नलिखित वस्तुएं शामिल होती हैं।

पूजा सामग्री:

करवा (मिट्टी या तांबे का) – इसमें जल भरकर पूजा की जाती है।

दीपक (मिट्टी या आटे का) – पूजा के समय जलाया जाता है।

छलनी – चंद्र दर्शन और पति का चेहरा देखने के लिए।

कलश – जल से भरा हुआ, पूजा में उपयोग होता है।

कुमकुम, रोली, चंदन, हल्दी – तिलक और पूजा के लिए।

अक्षत (चावल) – पूजा में शुभता के प्रतीक।

पान के पत्ते और सुपारी – पूजन में आवश्यक।

मौली (कलावा) – रक्षा सूत्र के रूप में बांधा जाता है।

फूल – देवी पूजन के लिए।

श्रृंगार का सामान – जैसे चूड़ी, बिंदी, सिंदूर, कंघी आदि।

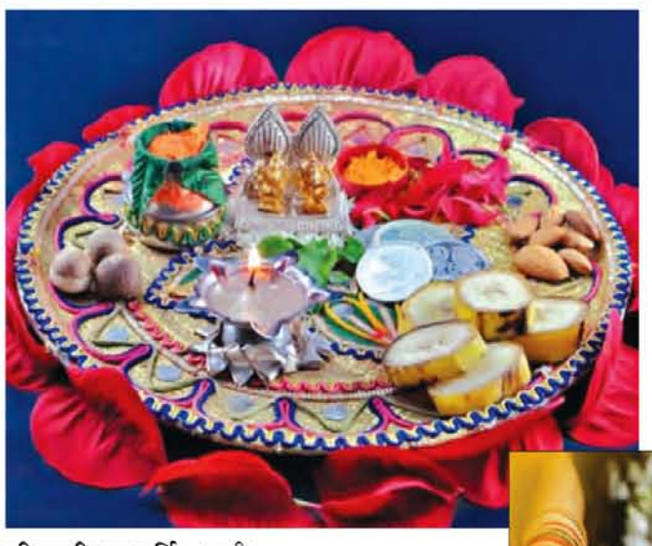

करवा माता और गणेश जी की तस्वीर या मूर्ति – पूजा के लिए।

भोग में क्या रखा जाता है?

करवाचौथ की पूजा में भोग का विशेष महत्व होता है। यह भोग देवी को अर्पित किया जाता है और फिर व्रती महिला द्वारा ग्रहण किया जाता है।

भोग की सामग्री:

मीठे पुए – आटे, गुड़ और सौंफ से बने होते हैं।

कढ़ी-पकौड़ी – बेसन की पकौड़ी और दही की कढ़ी।

चावल – सादा या जीरा राइस।

फर्रे – चावल के आटे से बने पकवान।

मिठाई – जैसे लड्डू, खीर, हलवा या बर्फी।

फल – जैसे केला, सेब, अनार आदि।

पंचामृत – दूध, दही, शहद, घी और शक्कर का मिश्रण।

भोग को पूजा के बाद चंद्रमा को अर्पित किया जाता है, और फिर व्रती महिला व्रत खोलती है।

पूजा विधि में थाली का उपयोग कैसे होता है?

पूजा के समय थाली को चौकी पर सजाया जाता है। दीपक जलाकर देवी और करवा माता की पूजा की जाती है।

छलनी से चंद्रमा और पति का चेहरा देखकर अर्घ्य दिया जाता है।

भोग अर्पित कर व्रत खोला जाता है

करवाचौथ की पूजा थाली न केवल धार्मिक अनुष्ठान का एक हिस्सा होती है, बल्कि यह सौभाग्य, प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक भी होती है।

करवा चौथ पर पहनें ये 5 शुभ रंग : क्यों माने जाते हैं प्यार, समृद्धि और सौभाग्य

करवा चौथ का त्योहार हर विवाहित महिला के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस व्रत का सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक महत्व भी बहुत गहरा होता है। इस दिन का हर रंग, हर आभूषण और हर साज-सज्जा का एक अपना मतलब होता है। कहा जाता है कि अगर आप सही रंग के कपड़े पहनें तो त्योहार की एनर्जी और पॉज़िटिविटी कई गुना बढ़ जाती है। करवा चौथ पर पहने गए रंग सिर्फ खूबसूरती नहीं बढ़ाते, बल्कि ये रिश्ते की मजबूती, प्रेम और सौभाग्य के प्रतीक भी माने जाते हैं। चलिए जानते हैं ऐसे 5 रंग जो करवा चौथ के दिन पहनना शुभ माना जाता है और जिनका हर एक शेड अपने आप में खास संदेश देता है।

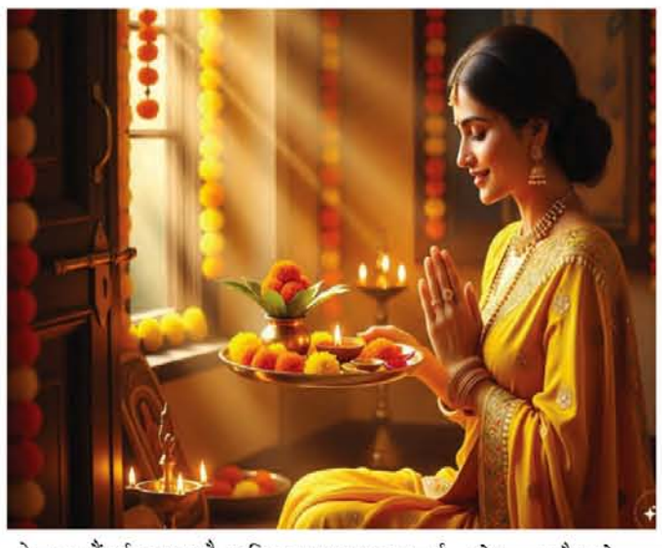

लाल – प्यार और समृद्धि का रंग

लाल रंग करवा चौथ का सबसे पारंपरिक और शुभ रंग माना जाता है। यह रंग प्रेम, उत्साह और वैवाहिक बंधन की गहराई का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में लाल रंग को शादी और सुहाग से जोड़ा गया है। लाल चुनरी, साड़ी या लहंगा पहनना इस दिन को और भी पवित्र बना देता है। यह रंग न केवल सौंदर्य बढ़ाता है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। माना जाता है कि लाल पहनने से वैवाहिक जीवन में नई ऊर्जा और खुशहाली आती है।

मरून – परंपरा और एलिगेंस का रंग

मरून यानी गहरा लाल, जो थोड़ी परिपक्वता और रॉयल लुक देता है। यह रंग उन महिलाओं के लिए परफेक्ट है जो एलिगेंट और ग्रेसफुल दिखना चाहती हैं। मरून रंग परंपरा और गहराई का प्रतीक है, जो रिश्तों में स्थिरता और आत्मविश्वास को दर्शाता है। अगर आप गोल्ड या सिल्वर ज्वेलरी के साथ मरून साड़ी या अनारकली पहनें, तो यह क्लासिक और ट्रेडिशनल दोनों अहसास दिलाएगा।

गुलाबी – रोमांस और नारीत्व का प्रतीक

गुलाबी यानी पिंक रंग हमेशा से प्यार और कोमलता का प्रतीक रहा है। यह रंग किसी भी उम्र की महिला पर खिलता है और पूरे माहौल को हल्का, खुशगवार बना देता है। करवा चौथ जैसे त्योहार पर अगर आप हल्के पिंक या रोज़ पिंक कलर का आउटफिट पहनती हैं तो यह आपको मॉडर्न और ट्रेडिशनल दोनों लुक देगा। पिंक रंग रिश्तों में मिठास और सौम्यता का एहसास बढ़ाता है।

पीला – खुशियों और पॉज़िटिविटी का रंग

पीला रंग हमेशा से खुशहाली, ऊर्जा और नई शुरुआत का प्रतीक माना गया है। यह रंग त्योहारों की रौनक बढ़ा देता है और सुबह के समय किए जाने वाले पूजा-पाठ के लिए बेहद शुभ होता है। करवा चौथ की सवेरे की पूजा या सोलह श्रृंगार की शुरुआत आप पीले कपड़ों में करें, तो दिन की शुरुआत ही पॉज़िटिविटी से भर जाएगी। यह रंग आपको अंदर से खुश और आत्मविश्वासी महसूस कराता है।

हरा – सौभाग्य और नई शुरुआत का प्रतीक

हरा रंग करवा चौथ पर शुभता और सौभाग्य का प्रतीक है। यह रंग न सिर्फ प्रकृति और ताजगी का एहसास दिलाता है, बल्कि शादीशुदा जीवन में स्थिरता और शांति का प्रतीक भी है। हरे रंग की चूड़ियां और साड़ी भारतीय परंपरा में सुहागिन स्त्रियों की पहचान मानी जाती हैं। अगर आप ग्रीन कलर का सूट या साड़ी पहनें तो यह न केवल खूबसूरत लगेगा, बल्कि आपके रिश्ते में नई ऊर्जा भी भर देगा।

शरवरी ने शुरू की वेदांग रैना के साथ नई फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता इम्तियाज अली कर रहे हैं। उनके साथ शरवरी वाघ की अगली फिल्म ने पहले ही फैंस के बीच धूम मचा दी है। वेदांग रैना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग दशहरे के शुभ अवसर पर शुरू हुई है। इस मौके पर अभिनेत्री ने एक भावुक नोट लिखा है। शरवरी वाघ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा सरस्वती पूजा के वक्त घर पर नहीं रह सकी। इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। एक बहुत ही खास निर्देशक और टीम के साथ एक बहुत ही खास फिल्म की शूटिंग शुरू। पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट और फूलों की तस्वीर भी शेयर की।

जन्मदिन पर हुआ फिल्म का एलान

आपको बता दें कि जून में शरवरी के जन्मदिन पर, इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस पल को याद करते हुए उन्होंने उत्साह जाहिर किया। उन्होंने इसे अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन बताया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनका लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने की इच्छा रखती थी।

कांतारा चैप्टर 1 का हिस्सा होना सपने जैसा

रुक्मिणी वसंत साउथ में नाम कमाने के बाद बॉलीवुड में भी कांतारा चैप्टर 1 से चर्चा में हैं। कोविड में आई कांतारा की सुपर सक्सेज के बाद अब इस फिल्म में रुक्मिणी एक न्यू एंट्री हैं। फिल्म को लेकर उत्साहित ये एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी के कई पन्नों को खोल रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा ऋषभ सर पहले मेरी फिल्म 'सप्त सगरदाचे एलो' की तारीफ कर चुके थे और उनके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते थे। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि इससे मुझे इतनी बड़ी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा। जब उन्होंने मुझसे फिल्म में शामिल होने को कहा, तो सच में ये सपना जैसा लग रहा था। जैसे-जैसे मैं कहानी और अपने किरदार को समझने लगी, मेरी उत्सुकता और बढ़ गई। थोड़ी घबराहट भी थी क्योंकि किरदार बड़ा था और कहानी में उसका महत्व काफी था, लेकिन ऋषभ सर का मुझ पर भरोसा देखकर मुझे आत्मविश्वास मिला।

फिल्म में अपने किरदार को निभाने के लिए आपने किस तरह तैयारी की?

ऐसी फिल्म में काम करते वक्त मुझे पूरी तरह संस्कृति में डूब जाना जरूरी लगा, क्योंकि 'कांतारा' सिर्फ कहानी नहीं है ...ये करावली क्षेत्र की परंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई है। मेरे रोल के लिए, भूत-प्रेत और दैव पूजा को गहराई से समझना जरूरी था। लेखकों और ऋषभ सर ने इस प्रक्रिया में मेरी मदद की, सिर्फ रिवाज समझाने तक नहीं, बल्कि ये भी बताया कि ये समाज और लोगों की जिंदगी पर कैसे असर डालते हैं। पूरी फिल्म के दौरान अगर कोई चुनौती थी, तो वो शारीरिक कौशल की थी, जो मुझे अपने किरदार कनकावती को सही ढंग से जीवित दिखाने के लिए सीखनी पड़ी।

सेट पर आपका पहला दिन कैसा था?

पहला दिन हमेशा ही थोड़ी उत्सुकता और थोड़ी घबराहट से भरा होता है। नया सेट, नया माहौल, सब कुछ नया। जब मैं 'कांतारा चैप्टर 1' के सेट पर पहुंची तो टीम पहले से एक महीने से शूट कर रही थी। मुझे उनकी गति में अपना स्थान ढूंढना पड़ा। शुक्र है कि शुरू में कुछ आसान सीन थे। इनमें ज्यादा डायलॉग नहीं थे, जिससे मुझे किरदार की बॉडी लैंग्वेज, नजर और अंदाज पर ध्यान देने का समय मिला। जब डायलॉग वाले सीन आए तो आवाज और दूसरे छोटे-छोटे पैमानों पर काम करना शुरू किया।

'बघीरा', 'मद्रासी', 'कांतारा चैप्टर 1' और आगे 'टॉक्सिक'। पिछला साल आपके लिए एक वरदान जैसा रहा। इस दौर को आप अपने करियर में कैसे देखती हैं?

ये साल मेरे लिए बेहद खास रहा। पिछले अक्तूबर से लेकर अब तक मुझे जो भी फिल्में मिली सभी एक दूसरे से काफी अलग थीं। मेरे लिए यह पूरा दौर प्रयोग और खुद को चुनौती देने वाला रहा है। इस दौरान मैंने दो काम किए, अपनी ताकत और कमजोरियों को जाना और खुद को बेहतर बनाया।

गुलशन देवैया और ऋषभ शेट्टी ने सेट पर आपका कैसे साथ दिया?

ऋषभ सर शुरू से ही बहुत जुड़े रहे। उन्होंने लेखकों की कार्यशाला में भी भाग लिया, जिससे मुझे समझ आया कि एक युवरानी की शारीरिक भाषा कैसी होती है - वह कैसे चलती है, कैसे अपने आप को पेश करती है, उसके बोलने का अंदाज कैसा होना चाहिए? गुलशन सर के साथ काम करना भी बहुत प्रेरणादायक था। मैं हमेशा उनके काम को सराहती रही हूं, चाहे वो 'द हॉन्टिंग' हो या 'मर्द को दर्द नहीं होता'। मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि वह कन्नड़ बेहद खूबसूरती से बोलते हैं। भले ही मैं यह जानती थी कि वह कूर्ग से हैं पर मुझे नहीं पता था कि वह दक्षिण कर्नाटक के इस खास डायलेक्ट में इतने सहज हैं।

एक्शन फिल्म से हॉलीवुड में डेब्यू करेंगे टाइगर श्रॉफ!

एक्टर टाइगर श्रॉफ जल्द ही हॉलीवुड फिल्म में नजर आ सकते हैं। एक्टर की डेब्यू फिल्म एक ग्लोबल एक्शन फिल्म होगी। इस फिल्म में वो हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर सिल्वेस्टर स्टेलोन और थाई मार्शल आर्ट स्टार टोनी जा के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन एमजीएम एक महत्वाकांक्षी पैन-वर्ल्ड प्रोजेक्ट बनाने पर बातचीत कर रहा है, जिसमें पहली बार तीन एक्शन स्टार्स एक साथ दिखेंगे। रिपोर्ट में सोर्स को कोट करते हुए कहा गया कि यह एक ग्लोबल प्रोजेक्ट है और इसे कई भाषाओं में बनाने पर बात चल रही है। इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है और सूत्र का दावा है कि तीनों एक्टर ने इस प्रोजेक्ट में काम करने की इच्छा जाहिर की है। सूत्र ने कहा है कि टाइगर, सिल्वेस्टर और टोनी जा के साथ पहले राउंड की बातचीत हो गई है। फिल्म के नाम को लेकर डिस्कशन जारी है लेकिन कहा जा रहा है कि मूवी का नाम इंडियन ही होगा। टाइगर श्रॉफ अपने आइडियल सिल्वेस्टर स्टेलोन के साथ इस तरह के पैन-वर्ल्ड एक्शन प्रोजेक्ट में काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। हाल ही में टाइगर की फिल्म बागी-4 रिलीज हुई थी। बता दें कि साल 2017 में टाइगर ने कंफर्म किया था कि वे अपने आइडियल सिल्वेस्टर की क्लासिक फिल्म रेम्बो के हिंदी रीमेक में एक्ट करेंगे। हालांकि, बाद में वह फिल्म नहीं बनी। वहीं, सिल्वेस्टर साल 2009 में अक्षय कुमार और करीना कपूर की फिल्म कमबख्त इश्क में कैमियो रोल कर चुके हैं।

चैप्टर 2 के लिए तैयार हुईं रिया चक्रवर्ती, पांच वर्षों बाद अभिनेत्री को वापस मिला पासपोर्ट

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को लगभग पांच वर्षों के बाद उनका पासपोर्ट मिल गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में सुशांत सिंह राजपूत मामले से जुड़े दस्तावेज वापस करने की इजाजत देते हुए उनके पक्ष में फैसला सुनाया। सुशांत सिंह राजपूत के निधन मामले की जांच के चलते उनका पासपोर्ट जमा कर लिया गया था। पासपोर्ट मिलने पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखी है।

इंस्टाग्राम पर रिया चक्रवर्ती ने अपने कठिन वक्त और अनगिनत संघर्षों को याद करते हुए कहा कि इस दौरान धैर्य ही उनका एकमात्र पासपोर्ट था। अपने संदेश के साथ, उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह एक नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। उन्होंने लिखा पिछले पांच वर्षों से धैर्य ही मेरा एकमात्र पासपोर्ट था। अनगिनत संघर्ष। अनंत आशा। आज, मेरे हाथ में फिर से मेरा पासपोर्ट है। अध्याय 2 के लिए तैयार!

जून 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती सुर्खियों में थीं। उनके और सुशांत के बीच अफेयर की खबरें थीं। 8 सितंबर, 2020 को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उन्हें सुशांत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में हिरासत में ले लिया था। हालांकि, उन्हें एनसीबी के पास अपना पासपोर्ट जमा करने की शर्त पर जमानत मिल गई थी। ल्मों की बात करें तो, रिया आखिरी बार रूमी जाफरी की फिल्म चेहरे में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी और अन्नू कपूर जैसे कलाकारों के साथ काम किया था।

नई जाना गाने ने मेरी पुरानी यादें कर दीं ताजा

पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार नीरू बाजवा का नया गाना नई जाना रिलीज हो गया है। यह उनकी आने वाली फिल्म मधानियां का गीत है। इस गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि इससे उनकी पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं। नई जाना एक पंजाबी गीत है, जिसे मन्नत नूर ने गाया है। मनी औजला ने इसका संगीत दिया है। यह गाना आज के जमाने के म्यूजिक के साथ एक पुराने लोकगीत को पेश करता है। इस गाने में एक शादी का सीन दिखाई दे रहा है। इसमें नीरू बाजवा अपने डांस और खूबसूरती से इस गाने की रौनक बढ़ाती दिख रही हैं। यह गाना पंजाबी शादियों की खुशी और उत्साह को दर्शाता है। गाने के बारे में बात करते हुए नीरू बाजवा ने कहा, 'नई जाना' गाने ने बचपन की शादियों में इसे सुनने की तमाम यादें ताजा कर दीं। मधानियां में इसे परफॉर्म करना बेहद सजीव और मजेदार अनुभव था, क्योंकि यह गाना शरारत, प्यार और हंसी का खूबसूरत मेल है। मैं उत्सुकता से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक भी इसे देखकर वही खुशी महसूस करें, जो हमें इसे फिल्माते वक्त मिली।

नीरू बाजवा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने को शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने हार्ट की इमोजी भी लगाई है। वहीं सिंगर मन्नत नूर ने कहा, यह गाना पूरी तरह से पुरानी यादों को ताजा करता है। पंजाब में हर कोई 'नई जाना' गाने के बारे में जानता है, यह हमारी शादियों और हमारी संस्कृति का हिस्सा है। जब मैंने इसे रिकॉर्ड किया तो मेरा ध्यान उस सार को बरकरार रखने के साथ-साथ आज के श्रोताओं के लिए एक ताजगी लाने पर भी था।

मेरा मुश्किल दौर स्कैम 2003 से मिली शोहरत के बाद शुरू हुआ

वेब सीरीज स्कैम 2003 में अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका के लिए वाहवाही बटोरने वाले एक्टर गगन देव रियार इन दिनों अपनी नई सीरीज 13वीं सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा में हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में आम तौर पर सफलता और शोहरत को मुश्किलों और संघर्ष अंत माना जाता है, पर एक्टर गगन देव रियार का अनुभव बिल्कुल अलग है। हंसल मेहता की चर्चित वेब सीरीज स्कैम 2003 में पेपर घोटाले के मास्टरमाइंड अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका से सुर्खियों में आने वाले एक्टर गगन देव रियार के मुताबिक, उनका सबसे मुश्किल दौर इस सीरीज से मिली सफलता और शोहरत के बाद शुरू हुआ है।

जितना सफल होता हूं, उतना कंफ्यूज होता हूं

करियर के सबसे मुश्किल दौर के बारे में पूछने पर गगन कहते हैं, मेरा सबसे मुश्किल दौर इस वक्त चल रहा है, क्योंकि सफलता को लेकर लोगों का जो नजरिया होता है, जैसे लोग बोलते हैं कि आपने वो हासिल कर लिया, वहां पहुंच गए, तो मुझे समझ में नहीं आता है कि इसके बाद कहां जाना है। ये मेरी पर्सनल जद्दोजहद है। मैं जितना सफल होता जाता हूं, उतना ही कंफ्यूज होता जाता हूं कि आज मेरे पास वो सब है जो मुझे चाहिए था, जिसकी मैंने कल्पना की थी कि घर हो, काम हो, पैसा हो लेकिन वो मकसद कहीं खत्म हो गया है कि मुझे ये करना क्यों था। यह ऊहापोह स्कैम 2003 के बाद शुरू हुई है कि इस सफलता के बाद क्या? आप यहां से कहां जाएंगे?

बहरूपिया बनने में मजा आने लगा

महज 16 साल में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले गगन बताते हैं कि असल में एक्टर बनना उनके पापा का सपना था, जो उन्होंने पूरा किया। बकौल गगन, मैं 16 साल का था। मैंने दसवीं का एग्जाम पास किया था। गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं कि एक दिन पापा ने पूछा, एक्टर बनना चाहते हो? असल में पापा फिल्मों में हीरो बनना चाहते थे। वो बचपन में भागकर यहां आए थे, तो फिल्में हम बहुत देखते थे। शाहरुख खान, जैकी श्रॉफ मुझे भी बहुत पसंद थे, पापा के पूछने पर मैंने कहा-ठीक है। तब उन्होंने मुझे दो महीने का एक एक्टिंग का क्रैश कोर्स कराया, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। लगा कि यह मैं जिंदगी भर कर सकता हूं क्योंकि रोज कुछ नया करने को मिल रहा है। मैं हर रोज एक नया बंदा हूं। वो अलग-अलग रूप धरने में, बहरूपिया बनने में मुझे इतना मजा आने लग गया कि उस कोर्स में 20 बच्चे थे, जिसमें मैं सबसे छोटा था, मगर क्लास में फर्स्ट आया।

जादू की छड़ी जैसी है एक्टिंग

इन दिनों अपनी नई सीरीज 13वीं- सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा बटोर रहे गगन आगे बताते हैं, फिर कॉलेज में जब मैं थिएटर से जुड़ा तो लगा कि एक्टिंग और थिएटर तो एक ही चीज है। मुझे उसमें इतना मजा आने लगा कि मैंने तय कर लिया कि यही करना है। हालांकि, मैं पढ़ाई में होशियार था। चाहता तो बहुत कुछ बन सकता था, मगर एक रूहानी अनुभव जो एक्टिंग में होता है कि आपने कुछ किया, जिससे किसी और को कुछ हुआ। मतलब मैं जो करूंगा, उससे कोई दूसरा हंसता है या रोता है। मुझे ऐसा लगा कि मेरे हाथ में कोई जादू की छड़ी है। मुझे हैपी पॉटर जैसा महसूस हुआ और मैं वो जादूगर बनना चाहता था। बस एक्टिंग का सिलसिला चल पड़ा।

सफाई व्यवस्था में कोताही न बरतें कर्मचारी

सीडीओ ने सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई के दिये निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में विकास भवन में जिला स्वच्छता समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में संचालित स्वच्छता अभियानों, सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों की स्थिति तथा ग्राम स्तर पर साफ-सफाई व्यवस्था की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में कहा कि स्वच्छता मिशन प्रधानमंत्री की प्राथमिक योजनाओं में से एक है, अतः जनपद में इसकी प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी सार्वजनिक शौचालय निर्धारित समयानुसार खुले रहें तथा उनके द्वार पर खुलने-बंद होने का समय, केयरटेकर का नाम व मोबाइल नंबर स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारियों के माध्यम से सार्वजनिक शौचालयों का नियमित निरीक्षण कराया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सभी शौचालय मानक के अनुरूप संचालित हो रहे हैं।

बैठक में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रगति पर चर्चा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जनपद के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी पात्र लाभार्थियों तक शौचालय निर्माण की सुविधा समयबद्ध रूप से पहुंचाई जाए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को यह भी निर्देश दिए कि सभी पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायक निर्धारित रोस्टर के अनुसार कार्य करें। ग्रामों में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखा जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने यह भी कहा कि मौसमी बीमारियों एवं वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु ग्राम स्तर पर विशेष स्वच्छता एवं फॉगिंग अभियान लगातार संचालित किए जाएं। गांवों में एंटी-लार्वा छिड़काव, झाड़ियों की सफाई एवं नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि ग्रामीणों को स्वस्थ वातावरण प्राप्त हो सके।

बैठक में जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम की बाल लीला एवं अहिल्या उद्धार का किया पारायण

नोएडा (चेतना मंच)।

सेक्टर-82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट-12 में आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद महाराज ने भगवान राम की बाल लीलाओं, विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार आदि प्रसंगों का बहुत सुंदर वर्णन किया। विश्वामित्र जी वन में यज्ञ करते हैं लेकिन राक्षस उनके यज्ञ में बाधा डालकर उसको पूर्ण नहीं होने देते हैं।

विश्वामित्र जी ध्यानस्थ होकर देखते है तो उन्हें पता चलता है कि दशरथ पुत्र राम स्वयं विष्णु अवतार हैं और उनके बिना राक्षसों का संघार नहीं हो सकता है। दशरथ जी से राम ,लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा के लिए मांगते है। भगवान राम रास्ते में तड़का जैसी भयंकर राक्षसी

सेक्टर-82 श्रीरामकथा

का वध कर देते हैं साथ ही अन्य राक्षसों का वध कर यज्ञ को पूर्ण करवाते हैं। मुनि विश्वामित्र के साथ जाते समय रास्ते में गौतम ऋषि के श्राप वश पाषाण शिला बनी अहिल्या का अपनी चरण रज से उद्धार करते हैं। इसके बाद जनकपुर में विश्वामित्र जी के साथ आगमन होता है

श्रीराम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि कल की कथा में धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद, राम जानकी विवाह आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा।

'सीडीपीओ ने महिलाओं को दिये आत्मरक्षा के टिप्स'

नोएडा (चेतना मंच)। जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम में बाल विकास विभाग द्वारा दनकौर स्थित परियोजना कार्यालय में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत सेल्फ डिफेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीडीपीओ संध्या सोनी तथा मुख्य सेविका किरण भारती ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं (AWW) को आत्मरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स एवं व्यवहारिक डेमो प्रस्तुत किए। कार्यशाला में बताया गया कि आत्मरक्षा का ज्ञान होने से बालिकाएं किसी भी विषम परिस्थिति में स्वयं की सुरक्षा कर सकती हैं। साथ ही, आत्मरक्षा न आने की संभावित हानियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी क्यूआर कोड के माध्यम से प्रतिभागियों से सुझाव भी प्राप्त किए गए। इसके अतिरिक्त, पोषण माह के अंतर्गत ईसीसीई (Early Child Care & Education) की अवधारणा को विस्तारपूर्वक समझाया गया। कार्यशाला में विकास एवं पहल पुस्तिका के प्रयोग और उससे होने वाले लाभों की जानकारी भी प्रदान की गई। उक्त सभी गतिविधियों का संचालन मुख्य सेविका ममता और पूनम द्वारा अपने-अपने सेक्टरों में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

धूमधाम से मनाया श्री बालाजी मानव सेवा समिति का वार्षिक महोत्सव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री बालाजी मानव सेवा समिति ने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर वार्षिक महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया।

मीडिया प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया रविवार को आईआईएमटी कालेज नॉलेजपार्क-3 ग्रेटर नोएडा में शरद पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर बच्चों के एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, एकल भजन, समूह भजन की प्रतिस्पर्धा प्रतियोगिता का पूरे दिन रंगारंग कार्यक्रम चला। इस प्रतिस्पर्धा से भरी प्रतियोगिता का दोपहर 1 बजे गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से शुभारंभ हुआ,और रात्रि 9 बजे तक चला।

रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य गोवत्स सत्यदेवानन्द महाराज, संस्था के अध्यक्ष उपाध्यक्ष मातृशक्ति एवं प्रतियोगिता के सभी जज द्वारा दीप प्रज्वलित करके शुभारम्भ किया। नृत्य प्रतियोगिता के जज के रूप में अलका श्रीवास्तव, खुशी एवं नेहा गौतम रही। गायन प्रतियोगिता के जज डॉक्टर अभिनव शर्मा एवं अमन शर्मा द्वारा अपना निर्णय दिया गया। प्रतियोगिता में स्वप्निल डांस एकेडमी एवं सूर लय म्यूजिक एकेडमी एवं अन्य 76 बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। 7 से 10 वर्ष की आयु के ग्रुप में एकल गायन प्रथम स्थान अंशुमन बहेरा द्वितीय स्थान स्तुति सिंह तृतीय स्थान आदित्य श्रीवास्तव ने प्राप्त किया।11 से 14 वर्ष की आयु में प्रथम स्थान राघवेंद्र सिंह, द्वितीय स्थान अक्षत एवं तृतीय स्थान कियारा शुक्ला रही। एकल नृत्य 7 से 10 वर्ष प्रथम स्थान दृष्टि सिंह, द्वितीय स्थान आदिया तृतीय स्थान आन्या ने प्राप्त किया। 11 से 14 वर्ष की आयु में प्रथम स्थान शोमिली द्वितीय स्थान दिया शर्मा एवं तृतीय स्थान भव्या पांडे ने प्राप्त किया। समूह नृत्य में 7 से 10 वर्ष की आयु के बच्चे स्वप्निल डांस एकेडमी के प्रथम रहे। समूह गायन प्रतियोगिता सुर लय एकेडमी के बच्चे प्रथम रहे। प्रथम स्थान 11 से 14 वर्ष की आयु के ग्रुप ने प्राप्त किया एवं द्वितीय स्थान 7 से 10 वर्ष की आयु के बच्चों ने प्राप्त किया।

बालिकाओं को आत्मरक्षा के सिखाये गुर

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के मार्गदर्शन में महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत दादरी ब्लॉक के मिहिर भोज बालिका इंटर कॉलेज में 'सेल्फ डिफेंस' विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में गोल्डन वूशु एकेडमी दादरी की टीम से श्रेया भाटी, आराध्या, तन्वी और विधि शर्मा ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के टिप्स दिए तथा विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने के व्यावहारिक उपायों का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल, शिक्षक, एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं। महिला कल्याण विभाग की ओर से वन स्टॉप सेंटर इंचार्ज रिंकी रानी और हब टीम की डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी ने मिशन शक्ति अभियान एवं विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी। महिला कल्याण विभाग द्वारा जिला प्रोबेशन अधिकारी के मार्गदर्शन में इस प्रकार की

कार्यशालाएँ लगातार आयोजित की जा रही हैं, ताकि बालिकाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा जागरूकता और आत्मनिर्भरता की भावना को और मजबूत किया जा सके।

'किसान जागृति दिवस' के रूप में मनाई गई महेंद्र सिंह टिकैत की 90वीं जयंती

किसानों-मजदूरों के शक्ति-पुंज थे बाबा टिकैत : अशोक भाटी

नोएडा (चेतना मंच)। सलारपुर स्थित शिव मंदिर, गुर्जर सम्राट मिहिर भोज चौक के निकट मेट्रो स्टेशन 81, नोएडा में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के संस्थापक और किसानों के मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 90वीं जयंती 'किसान जागृति दिवस' के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10 बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन से हुई। इसके बाद सैकड़ों कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने स्व. महेंद्र सिंह टिकैत के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भाकियू गौतमबुधनगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि 1986 में बाबा टिकैत ने किसानों और मजदूरों की समस्याओं को रखने के लिए भाकियू के रूप में एक मजबूत मंच दिया। उन्होंने कहा कि बाबा टिकैत ने किसान और मजदूरों की समस्याओं को उनकी भाषा में समझाया और समाधान भी कराया। वे सच में किसानों के शक्ति -पुंज थे। आज जब विपक्ष कमजोर है, तब भी भाकियू किसानों की आवाज बनकर संघर्षरत है। उन्होंने युवा पीढ़ी को उनके सिद्धांतों पर चलने का आह्वान किया और जल जंगल जमीन बचाने की अपील की।

इस मौके पर जरूरतमंदों के लिए आयोजित भंडारे और कार्यक्रम के दौरान एसएचओ फेस-2 कोतवाली विद्यांचल तिवारी, चौकी इंचार्ज नगला कचहरी आस्था चौधरी, चौकी इंचार्ज सलारपुर रविंद्र सिंह, सुभाष चौधरी, परविंदर अवाना, श्रीपाल कसाना, झलकेश बाबूजी, सुभाष भाटी, मनोज त्यागी, सिंहराज गुर्जर, रविंद्र भगत, अनिल अवाना, दीपक भाटी, रवि प्रधान, रिकी प्रधान, हरिकिशन भगत सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

यूपी सरकार राह-वीर को देगी 25 हजार का ईनाम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना के बाद 'बोल्डन ऑवर' यानी पहले एक घंटे के भीतर अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर तक पहुंचाने वाले को ईनाम देगी। सरकार का प्रयास है कि सड़क दुर्घटना में घायल को जल्द से जल्द उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जाए ताकि उसकी जान बचाई जा सके।

गौतमबुद्धनगर के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पांडे ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समय पर सहायता देने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए शासन द्वारा 'राह-वीर' योजना के दिशा-निर्देशों को और अधिक स्पष्ट कर दिया गया है।

शासन के निर्देशों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल को दुर्घटना के बाद के 'गोल्डन ऑवर' यानी पहले एक घंटे के भीतर अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर तक पहुंचाकर तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान कराता है, तो वह 'राह-वीर' पुरस्कार के लिए पात्र होगा। शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि उपचार के दौरान घायल की मृत्यु हो जाती है, तब भी मददगार को पुरस्कार और सम्मान मिलेगा, बशर्ते संबंधित अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर यह प्रमाणित करें कि मृत्यु का कारण सड़क दुर्घटना थी।

उन्होंने बताया कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार, गंभीर सड़क दुर्घटना वही मानी जाएगी, जिसमें बड़ी शल्यक्रिया की आवश्यकता पड़ी हो, तीन दिन से अधिक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा हो, मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगी हो, या इलाज के दौरान घायल की मृत्यु हो गई हो।

उन्होंने यह भी बताया कि 'राह-वीर' योजना का उद्देश्य सड़क हादसों में घायल व्यक्तियों को समय पर सहायता दिलाना और आम नागरिकों को जीवनरक्षक प्रयासों के लिए प्रेरित करना है। यदि किसी ने दुर्घटना के बाद घायल को समय पर अस्पताल पहुंचाकर मदद की है, तो वह सम्मान और पुरस्कार का अधिकारी होगा। इस पहल से न केवल सड़क सुरक्षा में जनभागीदारी बढ़ेगी, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और मानवीय सहयोग की भावना भी मजबूत होगी।